राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,15अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -259 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

यूपी के गोंडा में दलित बहनों पर एसिड फेंकने वाला एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार

करनैलगंज। उत्तर प्रदेश के गोंडा में मंगलवार को सबसे चर्चित परसपुर थाने के एसिड अटैक मामले में देर शाम पुलिस एनकाउंटर में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। एसिड अटैक आरोपी आशीष कुमार उर्फ छोटू से परसपुर और एसओजी टीम की करनैलगंज हुजूरपुर मार्ग स्थित वैकुंठ नाथ महाविद्यालय के निकट नाटकीय ढंग से मुठभेड़ हुई, जिसके बाद वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है जबकि पुलिस सुरक्षित है। मौके से एक देसी तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र कुमार सिंह ने बताया पीड़िताओं के बयान में आशीष कुमार उर्फ छोटू का नाम प्रकाश में आया था। नाम आने के बाद पुलिस सरगर्मी से उसका तलाश कर रही थी। मुखबिरों से सूचना मिली कि अभियुक्त अपनी बहन विशेश्वरगंज बहराइच के यहां से आ रहा है। पुलिस घेराबंदी के दौरान उसे करनैलगंज हुजूरपुर मार्ग स्थित बैकुंठनाथ महाविद्यालय के पास देवापसिया मोड़ पर रोकने की कोशिश की। इस दौरान उसकी बाइक फिसल गई और उसने पुलिस पर फायर करना शुरू कर दिया। जवाबी फायरिंग में गोली उसके दाहिने पैर पर लगीं और उसे पकड़ लिया गया। मौके से देसी तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र कुमार व सीओ मुन्ना उपाध्याय खुद मौके पर मौजूद है।घायल अभियुक्त को स्थानीय सीएचसी में भर्ती करवाया गया है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में परसपुर क्षेत्र के पसका गांव में गुरुवार की 19 वर्षीय बेटी खुशबू, कोमल(7) व एक पांच वर्षीय बेटी छत के दूसरी मंजिल पर सो रही थी।

रिटायर्ड ऑफिसर पूरी करेंगे लद्दाख की सड़क परियोजनाएं, पहाड़ी क्षेत्रों में जोखिम भत्ते में 733 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। चीन-बांग्लादेश सीमा से राष्ट्रीय राजमार्गों का संपर्क सुदृढ़ करने के लिए सरकार तीनों सेनाओं सहित केंद्र व राज्य सरकार के शीर्ष स्तर के सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाएं लेने जा रही है। इसका मकसद लद्दाख, कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड व पूर्वोत्तर के राज्यों में सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजनाओं को तेजी से पूरा करना है। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने हाल में जोखिम भत्ते में 733 फीसदी का इजाफा किया है।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने 05 अक्तूबर को ठेके पर भर्ती के लिए सेवानिवृत्त अधिकारियों से आवेदन मांगे हैं। इसकी

अंतिम तारीख 02 नवंबर है। उपक्रम में तकनीकी अथवा परियोजना पद पर कार्यकारी निदेशक, महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, प्रबंधक, महाप्रबंधक (भूमि अधिग्रहण), उप महाप्रबंधक (वित्त) पदों पर भर्ती की जाएगी। एनएचआईडीसीएल के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कार्यकारी निदेशक को सरकारी फार्मूले के हिसाब से लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये महीने वेतन व 40,000 रुपये जोखिम भत्ता (लद्दाख) दिया जाएगा। महाप्रबंधक को एक लाख 81 हजार से दो लाख 25 हजार रुपये वेतन व 36,000 रुपये जोखिम भत्ता, उप महाप्रबंधक को एक लाख 20 हजार से एक लाख 75 हजार रुपये व 32,000 रुपये जोखिम भत्ता, प्रबंधक को एक लाख 10 हजार से डेढ़ लाख रुपये वेतन व 24,000 रुपये जोखिम भत्ता दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आवेदन करने वालों की योग्यता सिविल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर की डिग्री व निश्चित कार्यकाल का अनुभव होना चाहिए। शीर्ष अधिकारियों की उम्र 61 साल के ऊपर नहीं होनी चाहिए और उन्हें शुरू में दो साल के लिए ठेके पर रखा जाएगा। इसके पश्चात 65 साल उम्र तक उनको विस्तार मिल सकेगा।

हाईवे बनाने के लिए मैकेनिकल इंजीनियर, स्थायी भर्ती बंद

जानकारों का कहना है कि सीमा सड़क संपर्क जैसी अति महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए एनएचआईडीसीएल में हाईवे इंजीनियरों की स्थायी भर्ती नहीं हो रही है। हाइवे निर्माण के लिए दक्ष हाईवे इंजीनियरों के बजाए उपक्रम में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल इंजीनियरों को ठेके पर रखने का अदूरदर्शी फैसला किया जा रहा है।

आसान नहीं है राजद-कांग्रेस की राह, JDU की भूमिका सबसे अहम, LJP के पक्ष में नहीं हैं चुनावी आंकड़े

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल मैदान में उतर चुके हैं। चुनाव प्रचार भी जोर पकड़ रहा है। सभी पार्टियों और गठबंधनों को अपनी जीत का भरोसा है। पर बिहार चुनाव के आंकड़े बताते हैं कि यह लड़ाई आसान नहीं है। सत्ता की दहलीज तक पहुंचने के लिए कांग्रेस और राजद को पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

विधानसभा चुनाव में दो बड़े गठबंधन मैदान में हैं। सत्तारुढ़ जेडीयू-भाजपा और राजद व कांग्रेस गठबंधन अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। पर इन दोनों गठबंधनों के वोट प्रतिशत में लगभग दो गुणा का अंतर है। लोजपा एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ रही है, इसके बावजूद पिछले चुनावों में मिले वोट प्रतिशत के आंकड़ों में जेडीयू-भाजपा मजबूत नजर आती है।

जनता दल (यूनाइटेड) की भूमिका बिहार चुनाव में सबसे अहम होती है। पिछले पंद्रह वर्षों में हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव के आंकड़े बताते हैं कि जेडीयू हमेशा पंद्रह से बीस फीसदी वोट हासिल करती रही है। यह वोट प्रतिशत राजद- कांग्रेस के साथ मिल जाए, तो वह गठबंधन सत्ता तक पहुंच जाता है। भाजपा-लोजपा के साथ मिल जाए, तो एनडीए सत्ता में आ जाता है।

विधानसभा चुनाव में दो बड़े गठबंधन मैदान में हैं। सत्तारुढ़ जेडीयू-भाजपा और राजद व कांग्रेस गठबंधन अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। पर इन दोनों गठबंधनों के वोट प्रतिशत में लगभग दो गुणा का अंतर है। लोजपा एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ रही है,

लोजपा चुनाव में अकेले किस्मत आजमा रही है। पार्टी ने 143 सीट पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने का ऐलान किया है। एक साल पहले वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में जेडीयू, भाजपा और लोजपा एक साथ चुनाव लड़े थे। उस वक्त एनडीए को 54 फीसदी वोट मिले थे। जबकि कांग्रेस और राजद गठबंधन के हिस्से में करीब 24 फीसदी वोट आए थे।

ऐसे में लोजपा अकेले चुनाव लड़कर जेडीयू को कितना नुकसान पहुंचाएगी, इसका आंकलन करना तो मुश्किल है, क्योंकि विधानसभा में लोजपा का प्रदर्शन 2005 के बाद कमजोर हुआ है। फरवरी 2005 में हुए चुनाव में लोजपा को 29 सीट मिली थी, पर कुछ माह बाद दोबारा हुए चुनाव में पार्टी सिमटकर 10 सीट पर रह गई। इसके बाद 2010 में तीन और 2015 के विधानसभा चुनाव में लोजपा के सिर्फ दो उम्मीदवार जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

इस साल जो स्टूडेंट्स नहीं दे पाए थे जेईई एडवांस 2020, उन्हें अगले साल जेईई एडवांस परीक्षा में बैठने का मौका

नई दिल्ली। इस साल जिन स्टूडेंट्स ने जेईई एडवांस्ड परीक्षा 2020 के लिए सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन कराया था और कोविड-19 महामारी के कारण परीक्षा नहीं दे पाए, उन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी 2021 अब जेईई एडवांस्ड परीक्षा 2021 में बैठने का मौका देगा। आईआईटी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में यह कहा गया है कि प्रभावित उम्मीदवारों की समस्या का समाधान करते हुए फैसला किया गया कि उन सभी उम्मीदवारों को जेईई (एडवांस्ड) 2021 में बैठने की इजाजत दी जाएगी जिन्होंने जेईई एडवांस्ड 2020 में सफलतापूर्वक रजिस्टर्ड कराया था लेकिन वे परीक्षा में उपस्थित नहीं हो पाए। यह फैसला तब आया है जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 13 सितंबर में अनुपस्थित स्टूडेंट्स के लिए दोबारा नीट परीक्षा देने के लिए सहमत हुई है। 14 अक्टूबर को नीट इन स्टूडेंट्स की परीक्षा ले रहा है, इसके बाद 16 अक्टूबर को ह्यश्चक्ष के नतीजे जारी किए जाएंगे। आपको बता दें कि जेईई एडवांस्ड में जेईई मेन क्वालीफाई करने के बाद ही योग्य होते है, लेकिन जेईई मुख्य परीक्षा में अनुपस्थित हुए स्टूडेंट्स के लिए ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई है। आपको बता दें कि इस साल ज्वाइंट एंट्रेंस एजाम -एडवांस्ड परीक्षा 1.5 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। जेईई एडवांस्ड 2020 परीक्षा के लिए योग्य छात्रों में से सिर्फ 64 फीसदी छात्रों ने ही रजिस्ट्रेशन करवाया था। जेईई मेन परीक्षा के टॉप 2.45 लाख अभ्यर्थी जेईई एडवांस्ड परीक्षा में बैठने के लिए योग्य होते हैं लेकिन इस बार सिर्फ 1.60 लाख छात्रों ने ही जेईई एडवांस्ड के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली ने इस साल जईई परीक्षा आयोजित कराई थी और ज्वाइंट एडमिशन बोर्ड आईआईटी की तरफ से सभी नीति, नियमों और आईआईटी के सभी एडमिशन संबंधी मामलों में फैसला लेता है।

रिहाई के बाद महबूबा मुफ्ती का ऐलान-

नहीं भूली हूं उस काले दिन के काले फैसले की बेइज्जती, जारी रहेगा संघर्ष

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती को करीब 14 महीने बाद मंगलवार को रिहा कर दिया गया। मंगलवार की रात रिहाई के बाद महबूबा मुफ्ती ने अपना एक ऑडियो संदेश जारी किया और जम्मू-कश्मीर के लिए संघर्ष का ऐलान किया। पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने और धारा 35 ए को खत्म करने से ठीक पहले जन सुरक्षा कानून के तहत महबूबा मुफ्ती को नजरबंद किया गया था, मगर मंगलवार को करीब 14 महीने बाद रिहा कर दिया गया। इसके बाद महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उस काले दिन का काला फैसला उनके दिमाग में हर रोज खटकता रहा है और इसके लिए वह संघर्ष करेंगी।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रिहा होते ही ऐलान किया है कि अनुच्छेद-370 की बहाली के लिए वे फिर से संघर्ष शुरू करेंगी। अपने ट्विटर अकाउंट पर करीब 1 मिनट 23 सेकेंड के अपने ऑडियो संदेश में महबूबा ने कहा, मैं आज एक साल से भी ज्यादा अर्से के बाद रिहा हुई हूं। इस दौरान 5 अगस्त 2019 के उस काले दिन का काला फैसला हर पल मेरे दिल और रूह पर हर पल वार करता रहा। मुझे एहसास है कि यही कैफियत जम्मू-कश्मीर के लोगों की रही होगी। हम में से कोई भी शख्स उस दिन की बेइज्जती को भूल नहीं सकता।

बता दें कि जम्मू कश्मीर की पहली महिला मुख्यमंत्री रहीं महबूबा को केंद्र द्वारा इस राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने एवं अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाये जाने के समय कई अन्य नेताओं के साथ हिरासत में ले लिया गया था। उन्हें सीआरपीसी की धारा 107 और 151 के तहत हिरासत में लिया गया था लेकिन बाद में उनके खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

ऑडियो में वह आगे कहती हैं, दिल्ली दरबार ने गैर कानूनी, गैर लोकतांत्रिक और गैर कानूनी तरीके से हमसे छीन लिया, उसे वापस लेना होगा। बल्कि उसके साथ-साथ कश्मीर के मसले को हल करने के लिए जद्दोजहद जारी रखनी होगी, जिसके लिए हजारों लोगों ने अपनी जानें न्योछावर कीं। मैं मानती हूं कि यह रास्ता आसान नहीं है, मुझे यकीन है कि हौसले से यह दुश्वार रास्ता भी तय होगा। आज जब मुझे रिहा किया गया है, मैं चाहती हूं कि जम्मू-कश्मीर के जितने भी लोग देश की जेलों में बंद हैं, उन्हें जल्द से जल्द रिहा किया जाए।

पिछले साल अनुच्छेद 370 हटने के बाद से नजरबंद जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती हुई रिहा

बता दें कि जम्मू कश्मीर की पहली महिला मुख्यमंत्री रहीं महबूबा को केंद्र द्वारा इस राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने एवं अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाये जाने के समय कई अन्य नेताओं के साथ हिरासत में ले लिया गया था। उन्हें सीआरपीसी की धारा 107 और 151 के तहत हिरासत में लिया गया था लेकिन बाद में उनके खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

महबूबा की बेटी इल्तिजा ने उन्हें हिरासत में रखे जाने को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी जिसकी पिछली सुनवाई 29 सितंबर को हुई थी। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं - फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला को सात माह की हिरासत के बाद मार्च में रिहा कर दिया गया था।

बिहार चुनाव में OBC-EBC फैक्टर हार-जीत तय करेगा, सभी दलों के लिए इस 51 प्रतिशत वोट बैंक में सेंध लगाने की चुनौती

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में कोई दल कितना भी जोर लगा ले, लेकिन जब तक वह पिछड़ी (ओबीसी) और अति पिछड़ी जातियों (ईबीसी) के वोट बैंक में सेंध नहीं लगाएगा, उसके लिए सत्ता हासिल करना मुश्किल है। राज्य में इन दो समूहों की आबादी करीब 52 फीसदी है। इसलिए चुनावी राजनीति इन पर सर्वाधिक केंद्रित रहती है। अन्य राज्यों की तुलना में बिहार के जातिय समीकरण चुनाव को कहीं ज्यादा जटिल बना देते हैं। क्योंकि अति पिछड़ी और पिछड़ी जातियों की आबादी बहुत ज्यादा है। 51 फीसदी के इस वोट बैंक पर सबकी नजरें रहती हैं। जो दल जातीय राजनीति करते हैं, वे भी और कांग्रेस-भाजपा जैसे राष्ट्रीय दल भी इस वोट वैंक में सेंध मारने के प्रयास में रहते हैं। कुछ हद तक कामयाबी भी मिलती है। ओबीसी और ईबीसी के वोट बिहार के सभी क्षेत्रीय दलों में विभाजित भी होते हैं, लेकिन इस 51 फीसदी में से एक बड़ा हिस्सा जिस दल के पक्ष में जाएगा, उसके लिए सत्ता की राह आसान होगी। कहने की जरूरत नहीं कि पिछले चुनावों में इन मतों का बड़ा हिस्सा महागठबंधन को गया था। उसकी वजह यह थी कि महागठबंधन का एक बेहतरीन गठजोड़ बना था, जिसे वोट देना इन दलों को रास आता था, लेकिन इस बार स्थितियां बदली हुई हैं। इस बार जदयू के भाजपा के साथ होने, लोजपा के अलग मैदान में उतरने, मुस्लिम एवं दलित रुझान वाले दलों जैसे एमआईएम और बीएसपी आदि के गठबंधन ने इन मतों के विभाजित होने का खतरा पैदा कर दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सभी दल जातीय राजनीति करते हैं। राष्ट्रीय दल भी करते हैं। जातीय समीकरणों के आधार पर दलों ने सीटों पर ऐसे उम्मीदवार उतारे हैं, जो उस वर्ग को प्रभावित करते हैं। इसलिए जो दल 52 फीसदी के इस जातियों के समूह में ज्यादा सेंध लगाएगा, उसे बढ़त मिलेगी। राज्य में ओबीसी और ईबीसी की आबादी करीब-करीब बराबर 26-26 फीसदी है। ओबीसी में 14 फीसदी यादव, 4 फीसदी कुर्मी, 8 फीसदी कुशवाहा हैं।

तेजस एक्सप्रेस में नहीं लगेगा डायनमिक फेयर, ट्रेन में मिलने वाले खाने में शामिल होगा फूट

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के बाद आईआरसीटीसी नवरात्र के पहले दिन 17 अक्टूबर से तेजस एक्सप्रेस की शुरुआत करेगा। आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) प्रबंधन ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई कदम उठाए हैं। जिनमें डायनमिक किराए पर रोक के साथ ही यात्रियों को सोशल डिस्टेंसिंग की सुविधा मिलेगी। दूसरी ओर आईआरसीटीसी यात्रियों को पहले की ही तरह खानपान सेवाएं उपलब्ध कराएगा, जिसमें फलाहार भी शामिल है।

आईआरसीटीसी तेजस एक्सप्रेस में सीटों की बुकिंग में सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रख रहा है। तेजस के लखनऊ से प्रस्थान व नई दिल्ली पहुंचने पर उसके सभी कोचों में फॉगिंग कराई जाएगी। आईआरसीटीसी के सीआरएम अनिल गुप्ता ने बताया कि तेजस के यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में बैठने से पहले ही थर्मल स्क्रीनिंग तथा सामान को सैनिटाइज करने की व्यवस्था की गई है। यात्रियों को कोच में प्रवेश करने पर सेफ्टी किट निःशुल्क दी जाएगी।

टिकट आरक्षण के नियमों में बड़ा बदलाव

कोरोना काल में रेलवे ने टिकट आरक्षण के नियमों में बदलाव किया है। अब ट्रेनों में टिकट आरक्षण का दूसरा चार्ट ट्रेन के स्टेशन से खुलने से

आधे घंटे (30 मिनट) पहले जारी किया जाएगा। भारतीय रेलवे ने स्टेशनों से ट्रेनों के निर्धारित प्रस्थान के समय से आधा घंटा पहले द्वितीय आरक्षण तालिका तैयार करने की पिछली प्रणाली को 10 अक्टूबर से बहाल कर दिया गया है। बता दें कि पिछले कुछ महीनों से कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर यह अवधि निर्धारित प्रस्थान समय से दो घंटे पहले कर दी गई थी।

चीन के बढ़ते दखल को रोकने के लिए क्वाड को विस्तार देना चाहता है अमेरिका, ASEAN देशों से संपर्क की भी जरूरत बताई

नई दिल्ली। अमेरिका-चीन की मोर्चेबंदी के रूप में देखे जा रहे क्वाड के मौजूदा स्वरूप को विस्तार देना चाहता है। अमेरिका के उप विदेशमंत्री स्टीफन बीगन ने सोमवार को इंडो-यूएस फोरम में इसका साफ संकेत दिया। उन्होंने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका का समूह स्वतंत्र और खुले हिंद प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करने के लिए अन्य देशों की खातिर खोला जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इन चारों देशों के समूह को क्वाड नाम से जाना जाता है।

चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को रोकने के लिए अमेरिका क्वाड देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर देता रहा है। बीगन ने इंडो यूएस फोरम में क्वाड का कई बार जिक्र किया। इससे साफ है कि अमेरिका हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में क्वाड को मजबूत बनाने पर गंभीर है। बीगन से द्विपक्षीय मुलाकात के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने भी कहा था कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए दोनों देशों का नजरिया समान है।

साझा हित वाले देशों का साथ

बीगन ने इंडिया-यूएस फोरम में बोलते हुए कहा, क्वाड साझा हितों पर आधारित साझेदारी है। इसे एक विशेष समूह बनाने का इरादा नहीं है। कोई भी देश जो स्वतंत्र और खुले भारत-प्रशांत क्षेत्र की वकालत करता है और यह

चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को रोकने के लिए अमेरिका क्वाड देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर देता रहा है।

सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को तैयार है उसका हमारे साथ काम करने के लिए स्वागत किया जाना चाहिए।

बहुलतावादी दृष्टिकोण अपना रहे

बीगन ने कहा हम एक बहुलतावादी दृष्टिकोण के साथ बढ़ रहे हैं जो यह सुनिश्चित करेगा कि क्वाड सहित क्षेत्र के विविध देश स्वतंत्र और खुले भारत-प्रशांत में संप्रभु और समृद्ध राष्ट्र के रूप में पनप सकें। उन्होंने कहा, हमारे रणनीतिक रिश्तों को आज और कल की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने की आवश्यकता है। पिछले सत्तर वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है, और हमारी अपनी सोच भी विकसित होनी चाहिए।

विभिन्न स्तरों पर बढ़ेगा संपर्क

अमेरिका ने क्वाड देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर संवाद व संपर्क बढ़ाने के साथ आसियान देशों से संपर्क की भी जरूरत बताई है। गौरतलब है कि अमेरिकी उप विदेशमंत्री और भारत के विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने मार्च महीने में क्वाड देशों के अलावा हिंद प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के साथ कोविड महामारी से निपटने की रणनीति पर साप्ताहिक संपर्क शुरू किया था। इसे भी क्वाड की विस्तार की मुहिम से जोड़कर देखा गया था।

बढ़ता दखल रोकना जरूरी

अमेरिका का स्पष्ट मानना है कि इस इलाके में चीन के बढ़ते दखल को रोकने के लिए व्यापक रणनीतिक मोर्चेबंदी की जरूरत है। पिछले दिनों हुई बैठक में अमेरिका और जापान ने खुलकर चीन का नाम लेकर चिंता जाहिर की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

उम्मीद बढ़ाते रुझान

एक लंबे इंतजार के बाद कोरोना के हवाले से कुछ अच्छी खबरें आई हैं। सोमवार को जहां डब्ल्यूएचओ की प्रमुख वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने यह उम्मीद जताई कि इस साल के आखिर या अगले वर्ष की शुरुआत में वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार हो सकती है, तो वहीं नई दिल्ली में मंत्री समूह की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने जानकारी दी कि अगले साल की शुरुआत में एक से अधिक स्रोतों से देश में वैक्सीन उपलब्ध हो सकती है। एक अन्य उत्साहित करने वाली खबर यह है कि देश में संक्रमण के नए मामलों में कमी आ रही है और पिछले कई दिनों से गिरावट का क्रम जारी है। रविवार के मुकाबले सोमवार को जहां 7,651 कम नए मामले आए, तो सोमवार के लिहाज से मंगलवार को 11,390 की गिरावट दर्ज की गई। संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर भी 86 प्रतिशत से ऊपर हो चुकी है। अगर यह क्रम आगे भी जारी रहा, तो वाकई देश के लिए बड़ी राहत की बात होगी। ये सारे आंकड़े प्रोत्साहित कर रहे हैं कि कोविड-19 पर हम निर्णायक काबू पा सकते हैं, यदि दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाएं। याद रखें, यहां तक का सफर समूची मानवता ने बिना किसी अधिकृत दवा व वैक्सीन के तय किया है और इसमें मानक एहतियातों व सहायक उपचारों ने बड़ी भूमिका निभाई है। खासकर मास्क और शारीरिक दूरी ने वायरस के प्रसार को काफी हद तक फैलने से रोका है। सरकारी प्रयासों और कोरोना वॉरियर्स की बेमिसाल कुर्बानी की बदौलत हम निरंतर बेहतर स्थिति की ओर बढ़े। और आज एक ऐसी स्थिति में हैं, जो सामान्य नहीं, तो उससे बहुत दूर की स्थिति भी नहीं है। इसीलिए अनलॉक की प्रक्रिया को आज जन-सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है। हम नहीं भूल सकते कि यहां तक के सफर में हमने करीब एक लाख, 10 हजार हमवतनों को खो दिया है। उनमें से काफी सारे ऐसे लोग थे, जिन्होंने जिंदगी को देखना, जीना अभी शुरू ही किया था। अपनी कुछ शुरुआती भूलों और कमियों को हमें हमेशा याद रखना चाहिए, क्योंकि उनसे हासिल सबक ने ही हमें आगे का रास्ता दिखाया है। नागरिकों को अभी भी पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है। मगर बिहार, मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार की जो तस्वीरें खबरिया चैनलों और सोशल मीडिया में नुमायां हो रही हैं, वे चिंतित करने वाली हैं। उनमें चुनाव आयोग की हिदायतों और स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन साफ-साफ दिख रहा है। इसलिए चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन को पूरी तत्परता के साथ रैलियों की निगरानी करनी चाहिए और जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। हमें इस तथ्य को याद रखना होगा कि यूरोप के कई देशों में संक्रमण की दूसरी लहर चल पड़ी है और कहीं-कहीं तो लॉकडाउन फिर से लगाने तक की नौबत आ गई है। दुनिया भर के विशेषज्ञ आगाह कर चुके हैं कि सर्दियों का मौसम इस वायरस के लिहाज से अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। निस्संदेह, अब देश में बड़े पैमाने पर कोरोना-जांच की सुविधा है, अस्पताल भी अपेक्षाकृत अधिक मुस्तैद हैं, लेकिन कोशिश यही होनी चाहिए कि उन पर दबाव न बढ़े और जो सकारात्मक रुख पिछले कुछ दिनों में बना है, उसका फायदा उठाया जाए। यह नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था, दोनों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

जब असफल हो जाये पूरा ही तंत्र

गुरबचन जगत

एक दलित महिला व उसकी 19 वर्षीय बेटी खेतों में चारा काटने जाती है। दोनों एक-दूसरे से अलहदा हो जाती हैं। कुछ समय बाद मां बेटी को न पाकर उसकी तलाश शुरू करती है। वह नग्न अवस्था में, खून से लथपथ और हिलने-डुलने में असमर्थ स्थिति में मिलती है, उसकी रीढ़ और कुछ अन्य हड्डियां टूट चुकी थीं और मरणासन्न अवस्था में थी। किसी तरह महिला और उसका बेटा उसे मोटरसाइकिल पर पुलिस थाने ले जाते हैं। वे उसको कैसे मोटरसाइकिल पर ले जा पाए, यह मेरी सोच से परे है। पुलिस उन्हें हाथरस के जिला अस्पताल ले जाने को कहती है। न तो कोई कागज़ी कार्रवाई हुई, न ही कोई प्राथमिकी दर्ज की। घटना रोजनामचे में भी दर्ज नहीं की गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर उन्हें पीड़िता को अलीगढ़ ले जाने को कहा गया। लेकिन वहां जाएं कैसे? क्या अस्पताल ने एम्बुलेंस मुहैया करवाई? किसी तरह वे अलीगढ़ अस्पताल पहुंचते हैं और कुछ दिनों के बाद पीड़िता को आगे सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली ले जाने को कहा जाता है। वहां पहुंचने के बाद मृत्यु होने से उसे नारकीय यंत्रणा से मुक्ति मिली, इस दौरान समूचा राज्य प्रशासन सोता रहा... पुलिस, पंचायत, जिलाधीश, मीडिया... सब सोए रहे। एक लड़की के साथ बलात्कार होता है, अकथनीय जुल्म हुआ और हड्डियां टूटीं, क्या यह सब राज्य सरकार को जगाने को काफी नहीं था? सत्ता की शपथ लेते समय पहला फर्ज 'नागरिकों' की सुरक्षा यकीनी बनाना होता है। घटनाक्रम में सबसे अहम यह है कि क्या स्थानीय प्रशासन जघन्य अपराध को नजरअंदाज करके खुद भागीदार नहीं कहलवाएगा? जबकि आरंभ से ही जरूरी था : सर्वप्रथम गांव के सरपंच को खुद साथ जाकर पीड़िता को थाने पहुंचाकर प्राथमिकी दर्ज करवानी चाहिए थी। लड़की को अलीगढ़ ले जाने के लिए एम्बुलेंस मुहैया करवाना अस्पताल का फर्ज था। इस बीच पुलिस को साथ जाकर पीड़िता और मां का बयान दर्ज करना चाहिए था। पुलिस, अस्पताल और सरपंच का जिम्मा बनता था कि अलीगढ़ में लड़की की तबीयत की बराबर जानकारी रखते, जरूरत पड़ने पर समय रहते दिल्ली पहुंचवाते। इसी समय पुलिस को गांव में जुर्म की जांच शुरू कर देनी चाहिए थी और उन चारों आरोपियों की धरपकड़ की जाती, जिन्हें लड़की ने अपने बयान में नामजद किया था। वारदात के तुरंत बाद उप-जिला पुलिस कप्तान और जिला मजिस्ट्रेट का गांव एवं अस्पताल का दौरा करना बनता था। जिला अधिकारी को इसकी भनक तक नहीं थी, जबकि जिले की कानून-व्यवस्था बनी रहे, इसका दारोमदार उस पर होता है। कानून एवं विभागीय नियमानुसार जरूरी उपरोक्त निर्देशों में एक पर भी अमल नहीं हुआ। अपराध स्थल को फॉरेंसिक टीम के अन्वेषण हेतु सुरक्षित बनाया जाना चाहिए था। घटनास्थल की खून से सनी मिट्टी, बाल, कपड़ों और नाखूनों के निचले अंदरूनी भागों से सैंपल उठाए जाने चाहिए थे ताकि डीएनए टेस्ट किया जा सकता। लड़की के कपड़े कहां गए? वीर्य वगैरह के नमूने इकट्ठा करने को उनकी बरामदगी बहुत अहम थी, क्या यह सब किया गया? हालांकि इसके बावजूद राज्य सरकार ने अपनी और आरोपित सवर्णों की खाल बचाने को फुर्ती दिखाई है। उसके बंदे दिल्ली पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया, परिवार को अपने हाल पर छोड़कर, शव लेकर गांव की ओर निकल पड़े। अब तक केंद्र सरकार को दलित लड़की की मौत का खतरनाक होने का अहसास हो चुका था। उधर परिवार भी जैसे-तैसे गांव पहुंचा, लेकिन शव पुलिस के कब्जे में ही रहा और परिजनों से अगली सुबह दाह-संस्कार करने का वादा भी किया, किंतु जैसा कि 'महान राज्य' उ.प्र. की एनकाउंटर में जुटी रहने वाली पुलिस ने अंधेरे की आड़ में रात के ढाई बजे अंतिम संस्कार कर दिया और परिवार को अंतिम दर्शन तो क्या, पास तक नहीं फटकने दिया। अब तक नाटकीय घटनाक्रम का किरदार बनने को अधीर मीडिया भी पहुंचना शुरू हुआ, विपक्षी नेता आने लगे। पुलिस ने आनन-फानन में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बना डाला। उसको स्पष्ट निर्देश था कि कोई मीडिया कर्मी-विपक्षी नेता-बाहरी व्यक्ति गांव में परिवार से न मिलने पाए। इसे उ.प्र. पुलिस ने दक्षता से निभाया, आखिरकार कुंभ जैसे विशालकाय आयोजन में त्रुटिरहित भीड़-नियंत्रण का अनुभव जो उसके पास था! अब मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान समेत राजधानी लखनऊ से आए बड़े साहब लोग पूरे दल-बल के साथ थे। संक्षेप में कहें चंद नेताओं के अलावा परिवार से किसी को मिलने नहीं दिया गया। उपस्थित डीएम के डर के मारे परिवार ने ज्यादा कुछ नहीं कहा, क्योंकि उक्त महोदय ने पहले ही उनको 'ठीकठाक' ढंग से यह 'पाठ' पढ़वा दिया था कि जल्द मीडिया और वहां पहुंचे बाकी लोग चले जाएंगे, किंतु स्थानीय 'हाकिम' होने के नाते मैं यहीं रहूंगा और आखिर में जरूरत मेरी ही पड़ेगी। रस्मी तौर पर कुछ पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया (ऐसे मामलों में कुछ समय बाद फिर से बहाली हो जाती है) और जनता से वही पुराना जुमला दोहराया गया 'दोषी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा और मिसालयोग्य सजा दी जाएगी।' तो फिर यहां जिलाधिकारी को कैसे बर्खास्तगी से बचा लिया? गांव के सवर्णों ने भी राग अलापा उनके लड़के बेकसूर हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी ने कहा कि लड़की का तो बलात्कार हुआ ही नहीं... यानी दक्षतापूर्ण लीपापोती शुरू हुई। एक भारतीय 'नागरिक' का बलात्कार हो जाता है, अकथनीय जुल्म ढाया गया और जगह-जगह से शरीर की हड्डियां टूट गईं, उसे राज्य सरकार अपने हाल पर छोड़ देती है और अंत में उसी 'नागरिक' के शव को परिवार की अनुपस्थिति में रात के अंधेरे में फूंक दिया गया। हम अपने दुश्मन तक से कहीं बेहतर बर्ताव करते थे। क्या वह बेचारी लड़की 'नागरिक' होने के लायक भी नहीं थी? अन्य मामलों की तरह हमारी संपूर्ण अपराध न्यायिक प्रणाली भी असफल हो चुकी है। अब पूरा तंत्र सत्ता पर काबिज लोगों द्वारा संचालित है, जिसका प्रतीक सूबे का मुख्यमंत्री है। संपूर्ण शक्ति उसके हाथों में केंद्रित है और एसपी-डीएम-जज केवल मोहरे मात्र हैं, जो एक इशारे पर आगे या पीछे चलने को तत्पर रहते हैं। पुलिस की यह बताने की कोशिश रही कि बलात्कार हुआ ही नहीं और इसे वह चिकित्सा-विधिक (मेडिको-लीगल) रिपोर्ट का हवाला देकर सिद्ध करने में लगी हुई है। बलात्कार की पुष्टि के लिए लड़की की मेडिकल जांच घटना के 11 दिन बाद की गई। इतने दिनों बाद वहां जांच के लिए क्या सबूत बचता? पुलिस की जांच क्या कहती है? कोई जांच हुई भी है या नहीं? प्राथमिकी कब दर्ज हुई? केस डायरी कब लिखी गई? क्या किसी अधिकारी ने घटनास्थल का दौरा किया था? क्या फॉरेंसिक टीम ने अपना काम सही ढंग से किया? क्या न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास प्राथमिकी और केस-डायरी की प्रतिलिपि तयशुदा समय में पहुंच पाई? क्या जिलाधिकारी ने यह सुनिश्चित किया कि अभियोजन पक्ष जांच की निगरानी करे और क्या खुद उसने पुलिस की जांच की निगरानी की? मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि ऐसा कुछ भी नहीं किया गया होगा, जैसा कि हमारी कानून एवं निर्देश संहिता कहती है, बल्कि अब पिछली तारीख में एंट्रियां डाल दी जाएंगी। पूरे तंत्र को राजनेताओं ने बिगाड़ दिया है। इन तमाम बातों को दरकिनार कर भी दें तो स्वयं पीड़िता ने मृत्यु से पूर्व बयान में खुद से बलात्कार किया गया बताया और चार आरोपियों के नाम उजागर किए हैं-क्यों सरकारें और पुलिस इस सच्चाई को मानने से पीछे हट रही हैं? बहरहाल, राज्य सरकार ने यह मामला सीबीआई को देकर अपनी खाल बचाने का उपाय किया है। हालांकि मैं जांच पर पूर्वाग्रही नहीं बनना चाहता लेकिन सीबीआई की पिछली कारगुजारियों को देखते हुए मुझे बहुत ज्यादा भरोसा भी नहीं है। सुशांत राजपूत के मामले में मोर्चा संभालने वाले हमारे मीडिया-योद्धाओं ने (जहां वे खुदकुशी को कत्ल बताकर इसके पीछे बॉलीवुड में व्याप्त नशा-माफिया होना सिद्ध कर रहे हैं) हाथरस कांड को भी हाथों-हाथ लेकर जोर-शोर से मुख्य खबर बनाया है। अब वे इसको उ.प्र. सरकार को बदनाम करने की अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की साजिश बता रहे हैं, नवीनतम उलटफेर में वे पीड़ित पक्ष को आरोपी... तो आरोपियों को पीड़ित बनाने में जुट गए हैं। क्या वास्तव में यह दावा सही है? क्या यह बात वे बाकायदा जांच के बाद कह रहे हैं अथवा इसका स्रोत क्या है? सीबीआई को जो फाइल सौंपी जाएगी, उसके प्रमाण कहां हैं?

आज के ट्वीट

शहर

पाकिस्तान का एक भी शहर भगत सिंह,सुभाष चंद्र बोस,पटेल के नाम पर नहीं है भारत के हजारों शहर मुगल लुटेरों के नाम पर क्यो?

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

तनाव

सद्गुरु

हम जो भी करते हैं, वह किसी न किसी रूप में, दूसरे इंसान के जीवन में योगदान दे रहा है। अगर आप यह देखें कि कैसे आप सचेतन तरीके से अपने काम के जरिए सबके जीवन में कुछ योगदान दे सकें, तो आपका जीवन पूरी तरह से बदल जाएगा। योगदान देने का मतलब यह नहीं होगा कि आपको अपने कारोबार से मुनाफा नहीं होगा। अगर आप लगातार यह देखें कि आप अपने आसपास के लोगों के लिए सबसे बेहतर क्या कर सकते हैं तो लाभ अपने-आप होगा - आपको इसकी चिंता नहीं करनी होगी। योगदान देने से मतलब धन या किसी तरह का लाभ देना नहीं है-यह आपके जीवन की बुनियादी इच्छाशक्ति (संकल्प) है। अगर आप अपने जीवन को ऐसे सहयोग में बदल देंगे, तो आपका जीवन सही मायनों में सार्थक होगा क्योंकि आप वह रच रहे हैं, जिसकी आपको परवाह है। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो आपके लिए हर दिन अपने काम पर जाना आनंददायक होगा। ऐसे में आप कभी तनाव की वजह से नहीं मरेंगे, मेरा यकीन करें। हो सकता है कि आप काम से थककर मार जाएं, लेकिन आप तनाव से कभी नहीं मरेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। जिस क्षण में आप देखते हैं कि दूसरों के जीवन में कैसे योगदान करना है, उसी क्षण से आपके भीतर एक तरह का सुखद अनुभव पैदा होगा। आपका मन और शरीर बेहतर तरीके से काम करने लगेंगे। इसे साबित करने के लिए हमारे पास अच्छे-खासे वैज्ञानिक और मेडिकल प्रमाण भी मौजूद हैं। अगर आपका मन और शरीर सही तरह से काम नहीं कर रहा, तो क्या आपको लगता है कि इस तरह सफलता हाथ आएगी? जब आप बेहतर नतीजे पाने के लिए अपने हुनर को पूरी तरह से निखार देते हैं, तब सफलता आपके हाथ आती है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो आपके लिए सुखद अनुभव में रहना आवश्यक है। आपके साथ ऐसा तभी संभव है जब आप हमेशा अपने आसपास के लोगों के लिए कोई न कोई योगदान करेंगे। अगर आप सही मायनों में परमानंद को महसूस करते तो क्या आप जीवन के उद्देश्य के बारे में बात करते। आप यह सवाल इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कहीं न कहीं आपके जीवन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं है। अधिकतर इंसान विचारों, भावों, मतों तथा पूर्वाग्रहों का पुलिंदा बन कर रह गए हैं।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

क्षेत्रीय नियोजन में समाधान की तलाश

एस.एस. सांगवान

भारत में कृषि वस्तुओं की जब भी कीमतें कम होती थीं तो किसानों को परेशानी होती थी। अस्सी के दशक के अंत में सूखे और कम कीमतों के की वजह से 1990 में पहली ऋण माफी हुई और लगभग उन्हीं कारणों से वर्ष 2008 में दूसरी बार ऋण माफी की गई थी। इसी तरह, कई राज्यों को कृषि ऋण माफी के लिए जाना पड़ा। यह संबंध साबित करता है कि किसानों की समस्याओं में फसलों की कीमत एक महत्वपूर्ण कारक है। इसी वजह से भारत सरकार ने 2018 में सभी कृषि वस्तुओं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में लगभग डेढ़ गुना वृद्धि की। दरअसल, किसानों को ये एमएसपी नहीं मिल पा रही हैं। खबरों के अनुसार, सरकार ने खरीफ फसलों बाजरा, कपास और दालों की खरीद शुरू नहीं की है। खरीद कुल उत्पादन का सिर्फ छोटा प्रतिशत है। नेफेड मूल्य समर्थन योजना के तहत दालों और तिलहन के कुल उत्पादन का अधिकतम 25 प्रतिशत खरीदता है, जबकि एफसीआई गेहूं, चावल और कुछ मोटे अनाज खरीदता है, जो केवल कुछ राज्यों में सीमित है। एफसीआई द्वारा वर्ष 2014-15 से 2017-18 के दौरान कुल उत्पादन की औसत गेहूं खरीद का केवल 28 प्रतिशत, धान की 33 प्रतिशत और कोर्स अनाज का 1 प्रतिशत खरीदा गया। एफसीआई खरीद पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश (गेहूं) तक सीमित है जबकि आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान हाल के वर्षों में कुछ हद तक शामिल हो गए हैं। पीएसएस के तहत खरीफ 2017 से तिलहन और दालें की खरीद बहुत अधिक रही है। यद्यपि इसमें कुल उत्पादन का केवल 12 प्रतिशत कवर किया गया है। शांता कुमार समिति की रिपोर्ट एफसीआई द्वारा सीमित खरीद की सिफारिश के बावजूद, अभी भी पंजाब और हरियाणा में गेहूं और धान का कुल उत्पादन खरीदा जा रहा है। वर्तमान में, एफसीआई के पास गेहूं और चावल का स्टॉक अनुशंसित स्टॉक का लगभग 3 गुना है। इसी प्रकार, दालों और तिलहनों के भंडार नेफेड द्वारा अगली कटाई के मौसम तक नहीं बेचे जाते हैं, जिससे आगे खरीद करना मुश्किल हो जाता है। हाल के वर्षों में दालों और तिलहनों की बाजार कीमतें एमएसपी से नीचे रही हैं और सरकार खरीद स्टॉक को संभालने और बेचने में लगभग 1000-1500 रुपये प्रति क्विंटल की हानि हो रही है। अधिकांश फसलों की हमारी एमएसपी उनके अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों से अधिक है और इस प्रकार कृषि को कुल सब्सिडी सहायता हर साल बढ़ रही है। क्या हमारी अर्थव्यवस्था इसे सहन कर सकती है ? या विकल्पों को आजमाने की जरूरत है। एरिया प्लानिंग; संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंगलैंड इत्यादि देशों द्वारा अपनाया गया वैकल्पिक तंत्र है। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में फसलों के तहत क्षेत्र की योजना एक बड़ी चुनौती है। सबसे पहले, राष्ट्रीय स्तर पर फसलवार कुल मांग का सटीक आकलन संबंधित विभागों द्वारा बुवाई के मौसम से पहले किया जाना चाहिए। फिर पिछले पांच सालों फसलवार औसत क्षेत्रों (बेस एरिया) का सही अनुमान और उनका राज्य वार वितरण किया जा सकता है। इस मानदंड के आधार पर राज्य अपने जिलों में वितरित कर सकते हैं। कृषि और बागवानी विभाग के राज्य अधिकारी एमएसपी में खरीद के लाभ देने के लिए बुवाई के मौसम से पहले फसलवार व्यक्तिगत किसान के क्षेत्र को पंजीकृत कर सकते हैं। जब किसी विशेष फसल के नीचे पंजीकृत, क्षेत्र जिला व राज्य की आवंटित सीमा तक पहुंच जाता है, इसके पंजीकरण को रोका जा सकता है और शेष किसान अगली सबसे अच्छी लाभकारी फसल के लिए पंजीकरण कर सकते हैं जहां सीमा नहीं पहुंच पाई है। उत्पादन जरूरत के अनुसार होगा तब एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच का अंतर कम होगा, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खरीद की मांग कम होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सही नीतियों से कोरोना वायरस संकट से उबर सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था: IMF

वाशिंगटन: अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की चपेट में आई भारतीय अर्थव्यवस्था को इस भयानक संकट से उबारने के लिए सरकार को राजकोषीय और मौद्रिक उपायों के साथ ही संरचनात्मक उपाय भी करने होंगे। आईएमएफ ने अपने अनुमानों में कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में वित्त वर्ष 2020 के दौरान 10.3 प्रतिशत तक की गिरावट हो सकती है। इसके साथ ही आईएमएफ ने कहा कि 2021 में भारत की वृद्धि दर प्रभावशाली सुधार दर्ज करते हुए 8.8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है लेकिन इसके लिए देश को विभिन्न क्षेत्रों में अपने प्रयासों को तेज करना होगा। आईएमएफ के शोध विभाग के प्रभाग प्रमुख मल्हार श्याम नाबर ने आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की वार्षिक बैठक के मौके पर कहा कि निश्चित रूप से आगे जो बातें की जा सकती हैं, उनमें राजकोषीय उपाय शामिल हैं लेकिन आईएमएफ का मानना है कि इस महामारी से प्रभावित हुए परिवारों और कंपनियों को मदद पहुंचाना अधिक जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्यक्ष खर्च और कर राहत उपायों पर अधिक जोर देने की जरूरत है, और नकदी समर्थन, ऋण गारंटी जैसे उपायों पर थोड़ा कम भरोसा करने की आवश्यकता है, हालांकि ये अर्थव्यवस्था में ऋण प्रावधान बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के उपायों पर अधिक जोर दिया गया, लेकिन आईएमएफ को लगता है कि प्रत्यक्ष राहत और व्यय समर्थन अधिक मात्रा में मुहैया कराने की जरूरत है।

कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली, हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में बुधवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 152.30 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। एमसीएक्स में एल्युमीनियम के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 20 पैसे अथवा 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 152.30 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 1,116 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यत- यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट आई।

'कृषि कानूनों पर पंजाब के किसान संगठनों बैठक का किया बहिष्कार '

नयी दिल्ली. पंजाब के किसान संगठनों ने बुधवार को नए कृषि कानूनों पर आंशकों के निराकरण के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा बुलाई गई एक बैठक का बहिष्कार किया, और सरकार पर दोहरी चाल चलने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि बैठक में कोई मंत्री उनकी सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं थे। जोगिंदर सिंह के नेतृत्व वाली भारती किसान संघ सहित, 29 किसानों के संगठनों, के प्रतिनिधि बैठक में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और उनके सहयोगी किसी मंत्री के उपस्थिति न होने से नाराज हो गए। किसी भी विरोध प्रदर्शन से बचने के लिए पुलिस सुरक्षा के बीच यह बैठक कृषि भवन में बुलाई गई थी। बैठक के बाद, उत्तेजित किसान प्रतिनिधियों को नारे लगाते तथा कृषि भवन के बाहर नए कृषि कानूनों की प्रतियां फाड़ते हुए देखा गया। बैठक में भाग लेने बस में आये 30 से अधिक प्रतिनिधि, जिनमें ज्यादातर वरिष्ठ नागरिक थे, को कोविड-19 महामारी के बावजूद चेहरे पर मास्क नहीं पहने देखा गया। सभी 29 किसान संगठनों की समन्वय समिति के सदस्य दर्शन पाल ने बैठक के बाद पीटीआई-भाषा को बताया, ''कोई चर्चा ठीक से नहीं हो पायी। हमारी चिंताओं को सुनने के लिए न तो केंद्रीय कृषि मंत्री और न ही जूनियर मंत्री मौजूद थे। हमने पूछा कि मंत्री हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं, सरकार हमें यहां बुलाती है और मंत्रीगण पंजाब में आभासी बैठकें कर रहे हैं, इस तरह का दोहरा मानदंड क्यों अपनाया जा रहा है। तो इसका कोई समुचित जबाव नहीं मिला।'' उन्होंने कहा कि चूंकि बैठक की अध्यक्षता कर रहे कृषि सचिव संजय अग्रवाल की कोई प्रतिक्रिया नहीं थी, इसलिए किसान संगठनों ने बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया। दर्शन पाल, क्रांतिकारी किसान यूनियन, पंजाब के भी प्रमुख हैं।

वैश्विक बाजारों की तेजी के बीच लगातार 10वें दिन चढ़े घरेलू शेयर बाजार

मुंबई,

वैश्विक बाजारों की तेजी और स्थानीय बाजार में उतार चढ़ाव के बीच वित्तीय शेयरों की मजबूती से बुधवार को लगातार 10वें दिन बढ़त रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में कारोबार के दौरान 600 अंक से अधिक के दायरे में घट बढ़ रही। हालांकि कारोबार के समाप्त होने पर यह 169.23 अंक यानी 0.42 प्रतिशत बढ़कर 40,794.74 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी 36.55 अंक यानी 0.31 प्रतिशत बढ़कर 11,971.05 अंक पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार लगातार 10वें दिन लाभ में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व में सर्वाधिक करीब चार प्रतिशत तक की तेजी रही। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर, एनटीपीसी, ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में हांगकांग के हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में बढ़त दर्ज की गयी। हालांकि चीन के शंघाई कंपोजिट और जापान के निक्की गिरावट में रहे। यूरोपीय बाजार शुरुआती कारोबार में बढ़त में चल रहे थे। इस बीच, कच्चा तेल का अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42.41 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे बढ़कर 73.31 के स्तर पर बंद हुआ।

सीमावर्ती देशों पर नियंत्रण से भारत में निवेश प्रवाह पर प्रभाव अस्थायी : मुख्य आर्थिक सलाहकार

नयी दिल्ली, मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) केवी सुब्रमणियम ने बुधवार को कहा कि कुछ देशों की कंपनियों के मौकापरस्त अधिग्रहण रोकने को लेकर लगाये एक नियंत्रणों से भारत में स्टार्टअप को होने वाले निवेश प्रवाह पर अस्थायी प्रभाव पड़ेगा। सरकार ने उन देशों की कंपनियों के निवेश पर नियंत्रण लगाए हैं, जिनका भारत के साथ सीमा पर तनाव है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने अप्रैल में प्रेस नोट 3 जारी किया था। इसके अनुसार भारत की सीमा से लगने वाले देशों के व्यक्ति या कंपनियां सरकार की मंजूरी प्राप्त करने के बाद ही किसी क्षेत्र में निवेश कर सकती हैं। इस निर्णय से चीन और हांगकांग जैसे क्षेत्रों से होने वाले विदेशी निवेश पर असर पड़ा है। उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये संबोधित करते हुए सुब्रमणियम ने कहा कि विभिन्न देशों खासकर भारत की सीमा से लगने वाले देशों से होने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेश की जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''इसके परिणामस्वरूप स्टार्टअप के वित्त पोषण को लेकर कुछ प्रभाव पड़ेगा। लेकिन मुझे लगता है कि बड़ी संख्या में दूसरे देशों की निजी इक्विटी कंपनियां इस कमी को पूरा कर सकती हैं।'' उनसे यह पूछा गया था कि क्या प्रेस नोट 3 का हांगकांग से होने वाले निवेश पर कोई प्रभाव पड़ेगा। सीईए ने कहा कि अन्य देशों की निजी इक्विटी कंपनियों की स्टार्टअप में निवेश को लेकर रूचि है।

तिमाही नतीजः इन्फोसिस का मुनाफा 20.5 प्रतिशत बढ़ा, 4,845 करोड़ रुपए पहुंची आय

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी इन्फोसिस का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.5 प्रतिशत बढ़कर 4,845 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के के लिए अपने राजस्व के अनुमान को बढ़ाकर 2-3 प्रतिशत कर दिया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,019 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था।

आय में 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बेंगलुरु मुख्यालय वाली कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आय 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 24,570 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी की आय 22,629 करोड़ रुपए रही थी। इन्फोसिस ने 2020-21 के लिए स्थिर मुद्रा में अपने राजस्व में वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 2-3 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले कंपनी ने राजस्व में दो प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान लगाया गया था।

ये रही वृद्धि की वजह

इन्फोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सलिल पारेख ने कहा, '2020-21 के लिए राजस्व का मार्जिन परिदृश्य में वृद्धि की वजह यह है कि हमारे ग्राहक कंपनी के प्रति

लगातार भरोसा दिखा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी अपनी डिजिटल और क्लाउड क्षमता की वजह से बाजार में भिन्न नतीजे हासिल कर पाई है, जो हमारे तिमाही प्रदर्शन में भी नजर आ रहा है।% कंपनी ने 12 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है।

कंपनी में सभी स्तरों पर वेतनवृद्धि और पदोन्नति होगी- प्रवीन राव

इन्फोसिस के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नीलंजन रॉय ने कहा कि पहली छमाही में कंपनी का मुक्त नकदी प्रवाह उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। इसकी वजह तरलता और नकदी प्रबंधन पर लगातार ध्यान देना है। उन्होंने कहा कि इसी के अनुरूप हम अपने अंतरिम लाभांश को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 12 रुपए प्रति शेयर कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि वह दूसरी तिमाही में 100 प्रतिशत वैरिएबल-पे के साथ विशेष प्रोत्साहन दे रही है। इन्फोसिस के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) प्रवीन राव ने कहा कि कंपनी में सभी स्तरों पर वेतनवृद्धि और पदोन्नति की जाएगी, जो एक जनवरी से प्रभावी होगी।

मैजिकपिन को सालभर में पांच अरब डॉलर जीएमवी हासिल करने की उम्मीद

नयी दिल्ली, ऑनलाइन रिवार्ड कंपनी मैजिकपिन को सालभर में अपने मंच पर वस्तुओं का सकल मूल्य (जीएमवी) पांच अरब डॉलर पार कर जाने की उम्मीद है। इसकी वजह खुदरा दुकानदारों का ज्यादा संख्या में ऑनलाइन आना है। जीएमवी, ई-वाणिज्य की दुनिया में इस्तेमाल होने वाला शब्द है। इसका आशय किसी ऑनलाइन मंच पर बिकने वाले सामान के सकल मूल्य से है। मैजिकपिन उन खुदरा दुकानदारों और विनिर्माताओं के लिए ऑनलाइन सर्च इंजन का काम करती है जो ऑफलाइन हैं। वहीं ग्राहकों को इन दुकानदारों से खरीद करने पर रिवार्ड भी प्रदान करती है। कंपनी का दावा है कि उसके मंच पर करीब एक लाख से अधिक दुकानदार मौजूद है। वह इसी महीने एक अरब डॉलर के जीएमवी को प्राप्त कर लेगी। मैजिकपिन के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशू शर्मा ने पीटीआई-भाषा ने कहा, '' पिछले साल फरवरी से इस साल फरवरी के बीच हमने एक अरब डॉलर जीएमवी की दर से वृद्धि की है। कोविड-19 संकट का थोड़ा असर पड़ा है लेकिन हम इस महीने फिर से एक अरब डॉलर के जीएमवी को प्राप्त कर लेंगे।''

बीएमडब्ल्यू का चेन्नई में खुदरा नेटवर्क का विस्तार

चेन्नई, लक्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी बीएमडब्ल्यू ने यहां अपना एक अत्याधुनिक खुदरा बिक्री केंद्र खोला है। यह कंपनी की नेटवर्क विस्तार की योजनाओं का हिस्सा है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि केयूएन शोरूम कंपनी की 'बीएमडब्ल्यू फैसिलिटी नेक्स्ट' अवधारणा पर आधारित है। यह ग्राहकों को ब्रांड का बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही उपयोग की हुई कारों के लिए भी इसमें अलग से एक 'बीएमडब्ल्यू प्रीमियम सेलेक्शन' खंड बनाया गया है। इस बारे में कंपनी के अध्यक्ष विक्रम पावा ने कहा, '' बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया अपने डीलर नेटवर्क विस्तार को लेकर सही दिशा में बढ़ रही है। कंपनी की कोशिश देश में उभरने बाजारों में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की है।''कंपनी ने इस शोरूम में बीएमडब्ल्यू लाइफस्टाइल कलेक्शन, मोटोस्पोर्ट, गोल्फस्पोर्ट, बाइक इत्यादि के लिए भी खंड बनाए हैं।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, सभी सरकारी दफ्तरों में BSNL-MTNL की सेवाओं को होगा उपयोग

नई दिल्ली।

मोदी सरकार ने सरकारी टेलीकॉम कंपनियों **BSNL** और **MTNL** को लेकर बड़ा फैसला किया है। केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों, सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयों को आदेश जारी कर सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड **(BSNL)** और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड **(MTNL)** की टेलीकॉम सेवाओं का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है। टेलकॉम डिपार्टमेंट **(DoT)** की ओर से जारी अधिसूचना में ये बात कही गई है।

BSNL, MTNL की सेवाएं अनिवार्य

इस ज्ञापन पत्र को केंद्र सरकार की तरफ से वित्त मंत्रालय से परामर्श करने के बाद 12 अक्टूबर को सभी सचिवों और विभागों को भेजा गया है। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम के इस मेमोरंडम में कहा गया है कि सभी मंत्रालयों और विभागों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने नियंत्रण वाले सीपीएसई और सेंट्रल ऑटोनोमस ऑर्गेनाइजेशन को इंटरनेट/ब्रॉडबैंड, लैंडलाइन और लीज्ड लाइन के लिए बीएसएनएल व एमटीएनएल नेटवर्क का अनिवार्य इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें।

घाटे में हैं दोनों कंपनियां

मोदी सरकार का ये फैसला घाटे में चल रही सार्वजनिक टेलीकॉम कंपनियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। क्योंकि इन इन कंपनियों के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या लगातार कम हो रही है। वित्त वर्ष 2019-20 में बीएसएनएल **(BSNL)** को 15,500 करोड़ रुपए और एमटीएनएल **(MTNL)** को 3,694 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है।

नवंबर, 2008 में बीएसएनएल के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 2.9 करोड़ थी, जो इस साल जुलाई में घटकर लगभग 80 लाख रह गई है। एमटीएनएल के फिक्स्ड लाइन उपभोक्ताओं की संख्या नवंबर, 2008 के 35.4 लाख से घटकर इस साल जुलाई में 30.7 लाख रह गई है।

BSNL और MTNL करेगी नेटवर्क का विस्तार

बीएसएनएल ने अपने नेटवर्क का विस्तार करने और ऑपरेशनल खर्च की पूर्ति के लिए सॉवरेन गारंटी बांड के जरिये 8500 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटाई है। एमटीएनएल भी सॉवरेन बांड्स के माध्यम से 6500 करोड़ रुपए जुटाने की प्रक्रिया में है। हालांकि ये रकम अभी तक कंपनी ने जुटाई नहीं है।

गडकरी जोजिला सुरंग निर्माण कार्य के लिये पहले विस्फोट प्रक्रिया की 15 अक्टूबर को करेंगे शुरूआत

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को 14.15 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग के निर्माण कार्य के लिये पहले विस्फोट प्रक्रिया का उद्घाटन करेंगे। इस सुरंग के बनने से श्रीनगर घाटी और लेह के बीच बारहमासी संपर्क सुविधा मिल सकेगी। निर्माण प्रक्रिया में विस्फोटकों का उपयोग कर विस्फोट के जरिये ठोस पदार्थों को हटाया जाता है। परियोजना का रणनीति महत्व है क्योंकि जोजिला दर्रा श्रीनगर-करगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर 11,578 फुट की ऊंचाई पर है और भारी हिमपात के कारण जाड़े में बंद रहता है। फिलहाल यह दुनिया में वाहनों के परिचालन के लिहाज से सर्वाधिक खतरनाक मार्गों में से एक है और यह परियोजना भू-रणनीतिक रूप से संवेदनशील भी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि गडकरी बृहस्पतिवार को जोजिला सुरंग के निर्माण कार्य के लिये पहले विस्फोट कार्य की शुरूआत करेंगे। बयान के अनुसर, ''सुरंग राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर श्रीनगर घाटी और लेह के बीच द्रास और करगिल होते हुए सभी मौसम में उपयोगी संपर्क सुविधा उपलब्ध कराएगी। इससे जम्मू कश्मीर में चौतरफा आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक समन्वय हो सकेगा।'' इस परियोजना के तहत जोजिला दर्रे के तहत करीब 3,000 मीटर की ऊंचाई पर 14.15 किलोमीटर लंबी सुरंग बनायी जाएगी।

सितंबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 39.43 लाख रही: DGCA

नई दिल्ली

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या सितंबर में 39.43 लाख रही। यह पिछले साल इसी माह के मुकाबले 66 प्रतिशत कम है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीजीसीए ने कहा कि इस साल जुलाई में 21.07 लाख और अगस्त में 28.32 लाख लोगों ने घरेलू हवाई यात्रा की। समीक्षावधि में इंडिगो से करीब 22.66 लाख यात्रियों ने यात्रा की और घरेलू विमानन बाजार में उसकी कुल हिस्सेदारी 57.5 प्रतिशत रही। वहीं स्पाइसजेट से उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या 5.3 लाख रही और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 13.4 प्रतिशत रही।

डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में एअर इंडिया, एयरएशिया इंडिया, विस्तार और गोएयर से क्रमशः 3.72 लाख, 2.35 लाख, 2.58 लाख और 2.64 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी। देश की छह प्रमुख विमानन कंपनियों की कुल उपलब्ध सीटों के मुकाबले यात्रियों से भरने की दर 57 से 73 प्रतिशत के बीच रही। डीजीसीए ने कहा कि, 'लॉकडाउन के बाद उड़ान सेवाएं दोबारो चालू होने से अब तक मांग में बढ़त देखी गयी है और इसलिए कंपनियों की सीटें भरने की स्थिति में सितंबर में सुधार हुआ है।' इस दौरान स्पाइसजेट ने 73 प्रतिशत भरी सीटों के साथ उड़ान भरी। जबकि विस्तार, इंडिगो, एयरएशिया इंडिया, एअर इंडिया और गोएयर की सीटें भरने की दर क्रमशः 66.7 प्रतिशत, 65.4 प्रतिशत, 58.4 प्रतिशत, 57.9 प्रतिशत और 57.6 प्रतिशत रही। डीजीसीए ने कहा कि बेंगलुरू, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई जैसे देश के चार प्रमुख हवाईअड्डों पर एयरएशिया इंडिया की सबसे अधिक उड़ानें समय से चली। कंपनी की समयबद्धता 98.4 प्रतिशत रही। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए देश में 24 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था। इसके चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगा दी गयी थी। करीब दो माह के अंतराल के बाद सरकार ने 25 मई से दोबारा घरेलू उड़ानों के परिचालन को अनुमति दे दी।

टैक्स रिफंड: CBDT ने 38 लाख से अधिक करदाताओं को लौटाए 123474 करोड़ रुपए

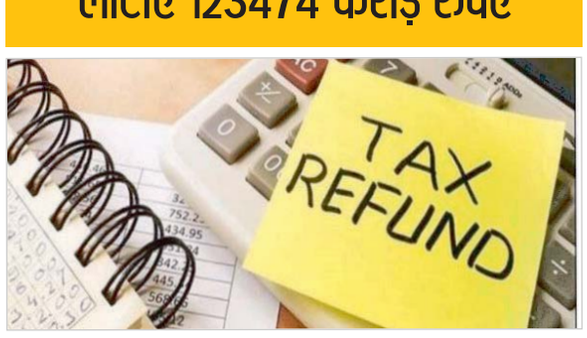

नई दिल्ली:

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड **(CBDT)** ने टैक्सपेयर्स को फायदा पहुंचाते हुए एक अप्रैल 2020 से 13 अक्तूबर 2020 के बीच 38.11 लाख से ज्यादा करदाताओं को 1,23,474 करोड़ रुपए से अधिक का रिफंड जारी किया है। आयकर विभाग ने बताया कि 36,21,317 मामलों में 33,442 करोड़ रुपए का आयकर रिफंड जारी किया गया है। वहीं, 18916 मामलों में 90,032करोड़ रुपए का कॉरपोरेट टैक्स रिफंड दिया गया। कोरोना वायरस महामारी संकट काल के समय करदाताओं के लिए ये बहुत बड़ी राहत की बात है। मालूम हो कि आयकर विभाग ने कहा था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आत्मनिर्भर भारत योजना की घोषणा किए जाने के बाद से रिफंड वापसी की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। इस साल किसी को भी आयकर विभाग को रिफंड के लिए रिक्वेस्ट नहीं करनी पड़ी। सीबीडीटी ने कहा कि सभी टैक्सपेयर्स तुरंत ही ईमेल का जवाब दें, ताकि जिनको रिफंड नहीं मिल सका है, उन्हें भी इसका लाभ मिल जाए। प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन की गई। करदाता अपने आयकर रिफंड की मौजूदा स्थिति जानने के लिए आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल अथवा एनएसडीएल की वेबसाइट पर जा सकते हैं।

हालांकि, रिफंड के लिए आपका खाता पैन से जुड़ा होना जरूरी है। आयकर विभाग ने घोषणा की थी कि एक मार्च 2019 से केवल ई-रिफंड ही जारी किया जाएगा। यह केवल उसी बैंक खाते में जमा होगा जो पैन कार्ड से लिंक है और जिसका विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर पूर्व सत्यापन हो चुका है।

टाटा ग्रुप बिग बास्केट में खरीद सकती है 20 फीसदी हिस्सेदारी, अंबानी और अमेजन को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली।

ऑनलाइन रिटेल कारोबार में टाटा ग्रुप ने एमेजॉन **(Amazon)** और रिलायंस के जियो मार्ट को टक्कर देने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ऑनलाइन ग्रोसरी स्टोर बिग बास्केट में बड़ा निवेश करने की योजना बना रही है। टाटा ग्रुप बिग बास्केट से 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। खबरों की मानें तो इस महीने के अंत तक दोनों कंपनियों के बीच डील फाइनल होने की उम्मीद है। टाटा ग्रुप बिग बास्केट में 20 फीसदी हिस्सेदारी और उसके बोर्ड में दो सीट मांग सकता है। कोरोना महामारी के दौर में बिग बास्केट की बिक्री में काफी बढ़ौतरी हुई है। कोरोना महामारी में लोग संक्रमण से बचने के लिए घरों से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं और दैनिक इस्तेमाल वाला सामान भी ऑनलाइन खरीद रहे हैं।

कई निवेशकों से चल रही बात

चीन की दिग्गज कंपनी अलीबाबा के सपोर्ट वाली बिग बास्केट की कई नए निवेशकों से बातचीत चल रही है। इनमे सिंगापुर सरकार की टेमासेक, अमेरिका की जेनरेशन पार्टनर्स, फिडेलिटी और टायबर्न कैपिटल के साथ बात चल रही है। खबरों के मुताबिक, यह बातचीत एडवांस्ड लेवल पर पहुंच गई है। कंपनी इस राउंड में 35 से 40 करोड़ डॉलर जुटाना चाहती है इससे कंपनी का वैल्यूएशन 33 फीसदी बढ़कर करीब 2 अरब डॉलर पहुंच सकता है।

डिजिटल प्रजेंस बढ़ाने में मदद

बिग बास्केट के साथ डील से टाटा की

डिजिटल प्रजेंस बढ़ाने में मदद मिलेगी। जिससे वह ऐमजॉन और मुकेश अंबानी की तेजी से बढ़ते रीटेल कारोबार को टक्कर देने की स्थिति में पहुंच जाएगी।अगस्त में रिलायंस ने किशोर बियाणी के रीटेल और होलसेल कारोबार को खरीदा था। इससे रिलायंस का रीटेल कारोबार काफी मजबूत हो गया है।

SBI चेयरमैन ने कहा- NPA को लेकर जितना डर फैला है स्थिति उतनी खराब नहीं

नई दिल्ली:

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक **(SBI)** ने फेस्टिव सीजन के लिए खास तैयारी की है। एसबीआई चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने एक इंटरव्यू में कहा कि रिटेल और कॉरपोरेट लोन की ग्रोथ में सुधार देखने को मिल रहा है। लोन ग्रोथ में तेजी आने की उम्मीद है। आने वाले फेस्टिव सीजन में रिकवरी की उम्मीद है। उन्होंने साफ-साफ कहा कि **NPA** को लेकर जितना डर फैला है, स्थिति उतनी खराब नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि **NPA** बेकाबू नहीं होंगे। रेजॉल्यूशन प्लान की वजह से ज्यादा **NPA** नहीं बढ़ेंगे। हालांकि इकोनॉमी में सुस्ती का **NPA** पर असर दिख सकता है लेकिन इकोनॉमी जैसे सुधरेगी **NPA** कम होंगे। एनपीए को लेकर जितना डर फैला है स्थिति उतनी खराब नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि एसबीआई ने फेस्टिव सीजन की खास तैयारी की है। एसबीआई चेयरमैन का कहना है कि सरकार की योजना से खपत को बढ़ावा मिलेगा। रिटेल लोन ग्रोथ में 14 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। आने वाले दिनो में रिटेल और कॉर्पोरेट लोन में भी बढ़त देखने को मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

फुटबॉल : ईरानियन सुपर कप स्थगित

तेहरान । ईरान फुटबॉल लीग संगठन ने बताया है कि 26 अक्टूबर से शुरू होने वाला ईरानियन सुपर कप स्थगित कर दिया गया है। संगठन ने हालांकि इसका कारण नहीं बताया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सुपर कप का छठा संस्करण ईरान पेशेवर लीग (आईपीएल) की विजेता टीम पेरसेपोलिस और हाज्फी कप की विजेता ट्रैक्टर के बीच खेला जाना था। ईरान पेशेवर लीग का 20वां संस्करण अब 31 अक्टूबर से शुरू होगा, लेकिन मौजूदा विजेता ने कहा है कि उन्हें आराम करने का कुछ समय और चाहिए, क्योंकि क्लब ने हाल ही में 2020 एएफसी चैम्पियंस लीग में हिस्सा लिया था, जिसमें ईरानके क्लब ने एशियाई फाइनल मैच में क्वालिफाई किया। पेरसेपोलिस ने ईरानियन सुपर कप के पिछले तीन संस्करण जीते हैं।

डेनमार्क ओपन

श्रीकांत दूसरे दौर में पहुंचे, शुभंकर बाहर

कॉपेनहेगन।

भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बैडमिंटन कोर्ट पर विजयी वापसी करते हुए यहां जारी डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर-14 श्रीकांत ने बुधवार को पुरुष एकल के पहले दौर में वर्ल्ड नंबर-52 इंग्लैंड के टॉबी पेंटी को सीधे गेमों में 21-12, 21-18 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने 37 मिनट में यह जीत अपने नाम करके टॉबी के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 2-0 का कर लिया है। भारतीय खिलाड़ी ने 2013 के थाईलैंड ओपन में भी टॉबी को मात दी थी। दूसरे दौर में पांचवीं सीड श्रीकांत का सामना कनाडा के जेसन एंथनी हो शुए से होगा। एंथनी ने एक मुकाबले में भारत के शुभंकर डे को 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-8 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में बुधवार को ही अजय जयराम स्थानीय खिलाड़ी वर्ल्ड नंबर-3 एंडर्स एंटनसन से भिड़ेंगे। वहीं, मंगलवार को लक्ष्य सेन ने वर्ल्ड नंबर-77 फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव को सीधे गेमों में 21-9, 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था, जहां अब उनके सामने डेनमार्क के विटिंगस की चुनौती होगी। महिला वर्ग में भारत की ओर से एक भी चुनौती नहीं है, क्योंकि सायना नेहवाल और पीवी सिंधु पहले ही टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले चुकी है।

यह सुपर 750 टूर्नामेंट 18 अक्टूबर तक डेनमार्क के में खेला जाना है, जोकि कोविड-19 महामारी के कारण आई रुकावट के बाद अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर को फिर से शुरू हुआ है। विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) ने इससे पहले ने थॉमस और उबर कप फाइनल्स के अलावा डेनमार्क मास्टर्स को भी रद्द कर दिया था।

चीन ने टोक्यो जिम्नास्टिक इवेंट में भाग लेने की पुष्टि की

टोक्यो।

चीन की राष्ट्रीय जिम्नास्टिक टीम ने जापान की राजधानी टोक्यो में अगले महीने आठ नवंबर को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की है। चीन जिम्नास्टिक टीम के टीम मैनेजर ये झेनन ने मंगलवार को समाचार एजेंसी सिन्हुआ से कहा, कोविड-19 ब्रेक के बाद यह हमारी पहली अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है। हम 14 दिन के क्वारंटीन में रहेंगे और फिर जापान से लौटने के बाद और सात दिन निगरानी में रहेंगे। यह एक मुश्किल चुनौती है। जापान विदेशी जिम्नास्टिको को 14 दिन तक क्वारंटीन में रहने के लिए नहीं कहेगा, लेकिन उन्हें केवल होटल और ट्रेनिंग स्थल तथा प्रतियोगिता स्थल तक ही यात्रा की अनुमति होगी। चीन की राष्ट्रीय जिम्नास्टिक टीम 1984 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक के बाद पहली बार रियो ओलंपिक में पदक जीतने में विफल रही थी। अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) द्वारा अनुमोदित यह टूर्नामेंट आठ नवंबर को योयोगी नेशनल जिम्नेजियम में आयोजित किया जाएगा। कोरोना वायरस के बाद से जापान में यह पहली प्रतियोगिता होगी। जापान जिम्नास्टिक संघ (जेजीए) द्वारा आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में दो टीमें-टीम फ्रेंडशिप और टीम सॉलिडेरिटी भाग लेंगी। इसमें जापान, चीन, रूस और अमेरिका से 32 एथलीट भाग लेंगे।

भारतीय महिला तीरंदाजों के सामने ओलंपिक में पूर्ण कोटा हासिल करने में मुश्किल चुनौती: दीपिका

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका कुमारी का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण कई प्रस्तावित टूर्नामेंटों के रद्द होने के कारण अगले साल ओलंपिक में भारतीय महिला तीरंदाजों के लिए पूर्ण कोटा हासिल करना मुश्किल चुनौती होगी। भारतीयों के पास तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ एक टूर्नामेंट बचा है और उसे दो स्थान हासिल करने हैं। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के आनलाइन चैट शो 'इन द स्पॉटलाइट' पर दीपिका ने कहा कि देश की महिला तीरंदाजों ने कड़ी मेहनत की है और कोविड-19 लॉकडाउन से पहले उन्हें कोटा हासिल करने का भरोसा था। उन्होंने कहा कि जब लॉकडाउन हुआ तो एक महीने में क्वालीफायर होने वाले थे, हमारा अभ्यास काफी अच्छा चल रहा था लेकिन इसके बाद अचानक हमें पता ही नहीं चला कि क्या करना है।फिलहाल महिला वर्ग में हमें सिर्फ एक कोटा हासिल है और दो अन्य कोटा स्थान हासिल करने के लिए सिर्फ एक क्वालीफायर बचा है। आम तौर पर इस समय तक हम पूर्ण कोटा हासिल कर लेते थे लेकिन इस बाद स्थिति अलग है।'' पिछले साल जून में विश्व चैंपियनशिप के लिए टीम कोटा हासिल करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय महिला तीरंदाजी टीम भारत को पूर्ण कोटा हासिल करने के लिए पेरिस में अंतिम मौका मिलेगा। पिछले साल बैंकॉक में एशियाई महाद्वीपीय क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर दीपिका तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला तीरंदाज हैं। उन्होंने याद किया कि दो बार की ओलंपियन होने के बावजूद वह कभी ओलंपिक उद्घाटन समारोह का हिस्सा नहीं बनीं। तीरंदाजी में हमारी रैंकिंग उद्घाटन समारोह के दिन ही शुरू होती है।

माही की यलो आर्मी ने की वापसी, हैदराबाद को 20 रन से हराया, पॉइंट टेबल में छठवें नंबर पर पहुंची

दुबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें सीजन के 29वें मैच में आज चेन्नई सुपर किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 20 रन से हरा दिया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। शेन वॉटसन (42) और अंबाती रायडू (41) की शानदार पारियों की बदौलत चेन्नई ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 147 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा 57 रन केन विलियम्सन ने बनाए। चेन्नई की ओर से कर्ण शर्मा और ड्वेन ब्रावो ने 2, जबकि सैम करन, शार्दुल ठाकुर और रविंद्र जडेजा ने 1-1 विकेट चटकाया। हैदराबाद की ओर से संदीप शर्मा, खलील अहमद और टी नटराजन ने 2-2 विकेट चटकाए। इस जीत के बाद पॉइंट टेबल में चेन्नई छठवें नंबर पर पहुंच गई है।

हैदराबाद की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हैदराबाद ने 27 रन पर ही दो विकेट गंवा दिए। कप्तान डेविड वॉर्नर 9 और मनीष पांडे 4 रन बनाकर आउट हुए। जॉनी बेयरस्टो भी खास नहीं कर सके और 23 रन बनाकर वे भी चलते बने। केन विलियम्सन (57) ने बेयरस्टो के साथ 32 और फिर प्रियम गर्ग (16) के साथ 40 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

चेन्नई की पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज फाफ दू प्लेसिस खाता भी नहीं खोल सके और 10 रन के कुल योग पर संदीप शर्मा की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गए। महेंद्र सिंह धोनी ने बदलाव के तौर पर सैम कुरेन (31) को पारी की शुरुआत के लिए भेजा था। कुरेन ने 21 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के लगाए। वह 35 के कुल योग पर आउट हुए। इसके बाद शेन वॉटसन (41) और अंबाती रायडू (42) ने तीसरे विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी कर टीम को सम्भाला।

रायडू का विकेट 116 रन के कुल योग पर गिरा। रायडू ने 34 गेंदों का सामना कर तीन चौके और दो छक्के लगाए जबकि वॉटसन ने 38 गेदों पर एक चौका और तीन छक्के लगाए। वॉटसन 120 के कुल योग पर आउट हुए। इसके बाद कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (21) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 25) ने स्कोर को 150 के पार पहुंचाया लेकिन धोनी 152 के कुल योग पर आउट हो गए। धोनी ने 13 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया। उनका स्थान लेने आए ब्रावो खाता भी नहीं खोल सके और 152 के कुल योग पर ही आउट हुए। उन्हें खलील अहमद ने आउट किया। जडेजा ने 10 गेंदों का सामना कर तीन चौके और एक छक्का लगाया।

संक्षिप्त समाचार

आरएफवाईसी के 9 खिलाड़ियों का आईएसएल क्लबों से करार

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन की नवी मुंबई स्थित यंग चैम्प्स (आरएफवाईसी) के पहले बैच के नौ खिलाड़ी देश की शीर्ष फुटबॉल लीग-इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के विभिन्न क्लबों के लिए खेलेंगे। आईएसएल क्लबों के जमीनी स्तर पर चलाए गए मुंबई स्थित इस अकादमी में 22 नए बच्चे पिछले साल कार्यक्रम से जुड़े थे। फिलहाल इस अकादमी में 65 बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिन-जिन खिलाड़ियों ने जिन आईएसएल क्लबों के साथ करार किया है, उनमें अरित्रा दास, मोहम्मद बासित पीटी और बीरेंद्र सिंह ने केरला ब्लास्टर्स एफसी से, जी बालाजी और आकिब नवाब ने चेन्नइयिन एफसी और मोहम्मद नेमिल ने एफसी गोवा के साथ करार किया है। इसके अलावा थाई सिंह ने बेंगलुरु एफसी से, आयुष छिकारा ने मुंबई सिटी एफसी से और कौस्तव दत्ता ने हैदराबाद एफसी के साथ करार किया है। बालाजी और नवाब का दो-दो साल के लिए, जबकि बाकी अन्य सात खिलाड़ियों का तीन-तीन साल के लिए करार हुआ है। ये खिलाड़ी पिछले पांच साल से आरएफवाईसी का हिस्सा थे और इन्हें 2015 में आरएफवाईसी की स्थापना के समय अकादमी में शामिल किया गया था।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया बोर्ड में शामिल होने के लिए इयान हिली को मिला प्रस्ताव

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान हिली को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) बोर्ड में शामिल होने को लेकर प्रस्ताव मिला है। हिली ने एसईएन ट्रैक रेडियो के ब्रिस्बेन ब्रेकफास्ट कार्यक्रम में कहा, हां, क्रिकेट आस्ट्रेलिया बोर्ड से मेरे पास प्रस्ताव आया है। द आस्ट्रेलियन की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व विकेटकीपर माइकल कैस्प्रोविच का स्थान लेंगे जिन्होंने 11 साल के बाद इस साल की शुरुआत में बोर्ड को छोड़ दिया था। दोबारा चुनाव होने से पहले कैस्प्रोविच के पास 12 महीने हैं। आस्ट्रेलिया के लिए 119 टेस्ट मैच, 168 वनडे खेलने वाले हिली ने कहा, यह क्रीसलैंड द्वारा प्रस्तावित किया गया है। छह राज्य निदेशक के नाम का प्रस्ताव रख सकते हैं। उन्होंने कहा, बोर्ड है उसमें (क्रीसलैंड) कैस्प्रोविच नहीं हैं जिन्होंने 11 साल बाद बोर्ड को अलविदा कह दिया। क्रीसलैंड ने कहा है कि अगर मैं चाहूं तो वो मुझे इस पद के लिए नामांकित कर सकते हैं। मुझे बस देखना है कि मेरे पास समय है कि नहीं। उन्होंने कहा, मैं इस प्रस्ताव के बारे में गंभीरता से सोच रहा हूं। हमारे पास दो और विकल्प हैं, क्रिस सिम्पसन और जोन डूले लेकिन वो लोग इस समय काफी व्यस्त हैं। मुझे लगता है कि तीन विकल्पों में से मैं सबसे सही रहूंगा।

सैम कुरैन हमारे लिए एक संपूर्ण क्रिकेटर : धोनी

दुबई।

आईपीएल के 13वें सीजन के 29वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 20 रनों से हराने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आलराउंडर सैम कुरैन की तारीफ की है। चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को यहां के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 13वें सीजन के 29वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 20 रनों से हरा दिया। सैम ने बल्लेबाजी में 21 गेंदों पर 31 रन बनाने के अलावा गेंदबाजी में भी कमाल का प्रदर्शन किया और तीन ओवर में 18 रन देकर एक विकेट चटकाए। धोनी ने मैच के बाद कहा, वह एक संपूर्ण क्रिकेटर हैं। आपको एक तेज गेंदबाज ऑलराउंडर चाहिए होता है। वह गेंद को अच्छी तरह हिट करते हैं, वह बल्लेबाजी में टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं, स्पिनर्स को भी अच्छा खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, वह आपको तेज 15 से 40 रन दे सकते हैं। अगर आपको लय हासिल करनी हो तो आप करन को ऊपर बल्लेबाजी करने भेज सकते हैं और वह ऐसा करना भी चाहते हैं। इसके साथ ही वह बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते हैं तो हमेशा से फायदे की बात होती है। बल्लेबाजों के लिए बाएं हाथ का गेंदबाज हमेशा परेशानी देने वाला होता। कर्ण शर्मा से गेंदबाजी के बारे में धोनी ने कहा, जैसे-जैसे टूर्नमेंट आगे बढ़ेगा वह डेथ ओवर्स फेंकने को लेकर अधिक सहज हो जाएंगे। इसी वजह से हमने सैम से डेथ ओवर्स में बोलिंग नहीं करवाई और शार्दूल व ब्रावो ने ही पारी के अंत में गेंदबाजी की। चेन्नई की आठ मैचों में यह तीसरी जीत है और वह छह अंकों के साथ अंकतालिका में छठे नंबर पर पहुंच गई हैं। चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 167 रनों का स्कोर बनाया और फिर उसने हैदराबाद को आठ विकेट पर 147 रनों पर रोक दिया। धोनी ने कहा, मुझे लगता है कि आखिरकार आपको दो अंक मिले हैं और यह मायने रखता है। टी 20 में कुछ मैच आपके पक्ष में नहीं आते हैं और उसी समय कभी-कभी आप जीत हासिल नहीं करते हैं। लेकिन आज हमने अच्छा प्रदर्शन किया, बल्लेबाजी से भी। यह संभवतः एक अच्छा मैच था और आखिर में हम एक या दो ओवर में बेहतर हो सकते थे, लेकिन यह बहुत अच्छा मैच था।

एक अतिरिक्त बल्लेबाज होता तो अच्छा रहता: वार्नर

दुबई। आईपीएल फ्रें चाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली हार के मैच में उन्हें एक बल्लेबाज की कमी खली थी। हैदराबाद को मंगलवार को यहां दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तीन बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों 20 रनों से हार का सामना करना पड़ा। वार्नर ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम में एक अतिरिक्त बल्लेबाज की कमी थी। विकेट धीमी थी और मुझे लगता है कि हमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाने की जरूरत थी। हमने मैच को अंत तक ले जाने की कोशिश की। लेकिन जब बाउंड्री बड़ी होती है तो यह आसान नहीं होता है। लेकिन क्रिकेट में यह होता है और आप हमेशा जीत दर्ज नहीं कर सकते। चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 167 रनों का स्कोर बनाया और फिर उसने हैदराबाद को आठ विकेट पर 147 रनों पर रोक दिया। हैदराबाद की ओर से केन विलियम्सन ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। उन्होंने कहा, वार्नर ने कहा, हमने सोचा कि 160 का स्कोर एक अच्छा स्कोर है। लेकिन हमने दो विकेट जल्दी गंवा दिए। अगर आपकी टीम को स्विंग गेंद मिलती है तो फिर मुश्किल हो जाता है। टीम में छह-सात गेंदबाज होने से टीम को मदद मिलती है। आगामी मैचों में हमें विकेट परखने और फिर उसी के हिसाब से टीम चुनने की जरूरत है।

जर्मनी ने स्विट्जरलैंड को 3-3 से ड्रा पर रोका, उक्रेन ने स्पेन को हराया

कोलोन : जर्मनी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके स्विट्जरलैंड को नेशन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच में 3-3 से बराबरी पर रोका जबकि उक्रेन पहली बार स्पेन को हराने में सफल रहा। स्विस टीम ने मारियो गावरानोविच (पांचवें) और रेमो फ्रुलर (26)वें मिनट के गोल से एक समय 2-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। टिमो वर्नर ने 28वें मिनट में जर्मनी की तरफ से पहला गोल किया। स्विट्जरलैंड मध्यांतर तक 2-1 से आगे था। काई हावर्ट्ज ने 55वें मिनट में जर्मनी को बराबरी दिला दी लेकिन गावरानोविच ने अगले मिनट में अपना दूसरा गोल करके स्विस टीम को फिर आगे कर दिया। सर्जेई गनाबरी ने 60वें मिनट में जर्मनी की तरफ से बराबरी का गोल दागा। ग्रुप चार में ही उक्रेन ने कीव में खेले गये मैच में स्पेन को 1-0 से हराया। यह उसकी स्पेन पर पहली जीत है। स्थानापन्न विक्टर साइगनकोव ने उक्रेन की तरफ से 76वें मिनट में निर्णायक गोल किया। स्पेन के अब चार मैचों में सात अंक है। वह जर्मनी और उक्रेन से एक अंक आगे है। स्विट्जरलैंड दो ड्रा खेलने के बाद ग्रुप में सबसे निचले पायदान पर है।

भारत के 30 पोकर खिलाड़ी एक खास मकसद के लिए एकजुट

नई दिल्ली।

अपनी तरह की एक पहली पहल के रूप में भारत के शीर्ष 30 पोकर खिलाड़ी वर्चुअल पोकर लीग 2020 (वीपीएल) में खेलने के लिए एकजुट हुए हैं। लीग का उद्देश्य देश के बेहतरीन पोकर खिलाड़ियों को किसी खास मकसद के लिए एकजुट करके बदलाव लाना और स्लैश ऑलइनफॉरचैरिटी के लिए उनके कौशल का उपयोग करना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन तीन चरणों किया जाएगा। पहले चरण में छह खिलाड़ियों के साथ पांच मैच होंगे और यह 14 और 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। दूसरे चरण में, सभी 30 खिलाड़ी एक मल्टी टेबल टूर्नामेंट खेलेंगे, जबकि तीसरे और अंतिम चरण में 17 अक्टूबर को इसका फिनाले खेला जाएगा। पोकर स्पोर्ट्स लीग के प्रमोटर अमित बर्मन ने कहा, पोकर स्पोर्ट्स लीग की पूरी टीम की ओर से वीपीएल की घोषणा करते हुए मैं रोमांचित हूं। आज की तकनीकी दुनिया में एक बेंचमार्क सेट करना, वीपीएल पहला पोकर इवेंट (कोरोना के बाद) है जो लाइव पोकर के अनुभव को दोहराता है। हमारे सभी ऑपरेशन वर्चुअल पोकर लीग के माध्यम से एक वर्चुअल प्रारूप में आयोजित किए जाते हैं। 10 लाख रुपये की कुल पुरस्कार राशि को विजेताओं को 5:3:2 के अनुपात में वितरित की जाएगी। युनाइटेड वे चेन्नई, सुपर स्कूल इंडिया और एएसएससीओडी (द एसोसिएशन फॉर सस्टेनेबल कम्युनिटी डेवलपमेंट) आधिकारिक चैरिटी पार्टनर हैं। उन्होंने आगे कहा, ऑलइनफॉरचैरिटी टूर्नामेंट में देश के कुछ बेहतरीन पोकर खिलाड़ी खेलेंगे, जो व्यक्तिगत लाभ के लिए खेले गए किसी भी टूर्नामेंट की जीत से परे है। पोकर की एक संपूर्ण प्रतियोगिता को बढ़ावा देने और इस खेल के लिए महिलाओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए वीपीएल ने प्रत्येक टीम में कम से कम एक महिला सदस्य का होना अनिवार्य कर दिया है। हालांकि यह लीग छह टीमों के बीच खेला जाएगा और प्रत्येक टीम में पांच-पांच खिलाड़ी होंगे। इस टूर्नामेंट का विस्तार करने का विचार देने वाले पोकर स्पोर्ट्स लीग के सीईओ और सह-संस्थापक प्रणव बगई ने कहा, पोकर इवेंट जो आम तौर पर ब्याज और आकर्षण प्राप्त करते हैं, में करोड़ों दांव पर हैं। ज्यादातर लोग मानते हैं कि पेशेवर पोकर खिलाड़ी, अपने पेशे की प्रकृति के कारण स्वाभाविक रूप से लालची होते हैं और केवल अपने व्यक्तिगत लाभों की परवाह करते हैं। लेकिन यह सच नहीं है और वीपीएल के पीछे का विचार पोकर और पोकर खिलाड़ियों के आसपास बनी नकारात्मक धारणा को बदलने में मदद करना है और यह साबित करना है कि पोकर समुदाय परवाह करता है। उन्होंने साथ ही कहा, यह भारतीय पोकर खिलाड़ियों की किताबों में एक शानदार पहल है, जो एक अच्छे मकसद के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मैदान में कदम रख रहे हैं।

दिल्ली की कोशिश पूरे 40 ओवर शानदार खेल खेलने की : कैरी

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने कहा है कि टीम के लिए यह समय है टूर्नामेंट में दोबारा शुरुआत करने का। दिल्ली को बुधवार को आईपीएल-13 के मैच में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ना है। मैच से पहले मंगलवार को कैरी ने कहा कि टीम खिलाड़ियों की चोटों से परेशान है लेकिन वह साथ ही इन सभी बातों को पीछे छोड़कर अच्छा करने को तैयार है। उन्होंने कहा, हमने काफी कम समय में चोटें देखी हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि इसका कारण बीते छह महीनों में क्रिकेट न खेलना है। हां, यह निराशाजनक खबर है, लेकिन हम जानते हैं कि हमारे दो बेहतरीन खिलाड़ी अमित मिश्रा और ईशांत शर्मा हमारी हौसलाअफजाई करेंगे। उन्होंने कहा, यह अच्छा समय है। हम टूर्नामेंट में आधा सफर तय कर चुके हैं। हम हर टीम से एक बार खेल चुके हैं। पिछली बार जब हम राजस्थान के खिलाफ खेले थे तो परिणाम अच्छा रहा था। इस बार उनके पास बेन स्टोक्स हैं जो उनकी टीम को मजबूती देंगे। राजस्थान के बारे में कैरी ने कहा, उनकी टीम लाइनअप अच्छी है। बाकी टीमों की तरह भी उनके पास खतरनाक खिलाड़ी हैं। आप जानते हैं कि उनके पास जोस बटलर, स्टीव स्मिथ, स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर हैं। दिल्ली को पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पांच विकेट से हार मिली थी। कैरी ने कहा कि टीम उस हार से वापसी करना चाहती है। कैरी ने कहा, टूर्नामेंट में शुरुआत में अपने खाते में जीत डालना शानदार है। मुझे लगता है कि अब यह समय है जब हम अपनी टीम को सेटल करें और फाइनल्स में जाने की कोशिश करें- अपनी बेहतर क्रिकेट खेल कर। उन्होंने कहा, आप टूर्नामेंट में जल्दी से जल्दी पीक पर पहुंचना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसी भी सरकार ने कभी भी महिला सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया: शमीन मन्नान

'**राम प्यारे सिर्फ हमारे**' की अभिनेत्री शमीन मन्नान देश में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकार के रवैये से निराश हैं। वह महसूस करती हैं कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है, सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। वह कहती है, 'आशाजनक निर्णय या मुआवजे की घोषणा' अब मदद करने वाली नहीं है।

19 साल की महिला के साथ हाथरस में हुए मामले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। और तब से, यह बिहार का बक्सर हो, या उत्तर प्रदेश का झांसी, लगातार मामले सामने आ रहे हैं।

'संस्कार – धरोहर अपनों की' अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह के मामलों को तेजी से ट्रैक किया जाना चाहिए और अपराधियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

'यह दुखद है कि सत्ता में किसी भी सरकार ने कभी भी महिला सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया। बलात्कार एक घृणित और अमानवीय अपराध है और ऐसे मामलों को अपराधियों को कड़ी सजा देने के साथ तेजी से ट्रैक करना चाहिए। इससे ऐसे राक्षसों के मन में भय पैदा होगा।

सरकार को ऐसे दोषियों को गंभीर और त्वरित रूप से दंडित करके एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए, अन्यथा, इस तरह की घटनाएं दोहराती रहेंगी। बस फैसले का वादा करना या मुआवजे की घोषणा करना पर्याप्त नहीं है!' शमीन कहती हैं।

'केवल इसलिए कि कोई गरीब परिवार से संबंध रखता है या छोटी पोशाक पहनता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके साथ बलात्कार किया जा सकता है या उसे बेरहमी से मारा जा सकता है। इसके अलावा, बलात्कार का किसी महिला या उम्र के साथ कोई लेना-देना नहीं है। तीन साल की बच्ची से लेकर 70 साल की उम्र तक की महिलाओं के साथ बलात्कार किया जाता है।

मैं देख रही हूं कि लोग अब सिस्टम में विश्वास खो रहे हैं, जो खुद दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारे देश में हर लड़की की सुरक्षा के लिए एक सख्त कानून होना चाहिए, जो उसे आश्वस्त कर सके। शमीन कहती हैं।

'हाईजैक' में अपने किरदार के बारे में डेलनाज ईरानी बोलीं

मेरा पुलिस वाला किरदार रानी मुखर्जी की 'मर्दानी' से प्रेरित

डेलनाज ईरानी अपने नए शो 'हाईजैक' में एक पुलिस वाली की भूमिका निभा रही हैं, जो टाटा स्काई अद्भुत कहानियां पर प्रसारित होगा। डेलनाज ने कहा कि उनकी भूमिका 'मर्दानी' में रानी मुखर्जी के चरित्र से प्रेरित है।

'हाइजैक' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें डेलनाज शिवानी सिंह नाम के एक पुलिस अधिकारी के रूप में देखेंगी। जिसे शेमारू एंटरटेनमेंट और स्काई हाई पिक्चर्स के साथ साझेदारी में बनाया गया है। डेलनाज ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, मेरा किरदार 'मर्दानी' में रानी के चरित्र से प्रेरित है। मैंने मर्दानी सीरीज की दोनों फिल्में देखी हैं, और मुझे लगता है कि रानी ने शानदार काम किया है। मैं उनकी हमेशा से प्रसंशक रही हूं लेकिन 'मर्दानी' के बाद और अधिक हो गई। मैंने उनकी शैली को अपने इस शो में दोहराने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा, जब आप रानी मुखर्जी के बारे में सोचते हैं, तो आप एक प्यारी, नाजुक किस्म की लड़की के बारे में सोचते हैं। आप उसे पुलिस अधिकारी नहीं समझते हैं। लेकिन उसने ऐसा किया। मेरे व्यक्तित्व के साथ भी अगर उज्जवल और उनकी टीम ने मुझे पुलिस अधिकारी के तौर पर सोचा तो ज़रूर मुझ पर उन्हें विश्वास रहा होगा। मुझे नहीं लगता कि मैंने उन्हें निराश किया है क्योंकि टीम के बहुत सारे लोग हैं जिन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि वे चरित्र और एपिसोड से सुपर खुश हैं। चैनल भी खुश है।

अभिनेत्री हाल ही में सीरियल छोटी सरदारनी के कलाकारों में भी शामिल हुईं, लेकिन उन्होंने बताया कि 'हाइजैक' पहला शो था जिसने उनके लिए दूसरे जॉनर के शो ओपन किए हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यद्यपि वह थोड़ा घबराई हुई थी, लेकिन वह अपने रास्ते में आने वाली चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से खुश हैं।

उन्होंने कहा, पहली बार क्राइम थ्रिलर करते हुए बहुत अच्छा महसूस हो रहा है लेकिन सच कहूं तो शुरुआत में मुझे भरोसा नहीं था कि मैं कर पाऊंगी। यह मेरे एक बहुत प्रिय मित्र द्वारा निर्मित शो है जिसका नाम उज्जवल आनंद है। हमने सालों पहले एक साथ एक शो किया था, और उन्होंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। उन्होंने मुझे एक दिन फोन किया और कहा कि वह एक क्राइम थ्रिलर कर रहे हैं, इसलिए मैं चाहता हूं कि आप 'मर्दानी' में रानी के किरदार की तरह बनें।

करीना कपूर खान ने की तैमूर के लिए आईपीएल में 'जगह बनाने' की कोशिश, प्रियंका चोपड़ा ने फोटो पर दिया रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने बेटे तैमूर की क्रिकेट खेलते हुए की फोटो शेयर की थी। इसपर प्रियंका चोपड़ा का दिल जीत लेने वाला रिएक्शन आया है। प्रियंका चोपड़ा ने लिखा, 'यह तो जीन्स में है।' दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग का क्रेज इस समय लगभग पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। बॉलीवुड पर भी इन दिनों आईपीएल का बुखार चढ़ा हुआ है। तमाम एक्टर-एक्ट्रेस इसको लेकर सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ पोस्ट शेयर कर रहे हैं। करीना कपूर खान भी इससे अलग नहीं हैं।

उन्होंने हाल ही में तैमूर की क्रिकेट खेलते हुए की फोटो शेयर करते हुए लिखा था, 卐आईपीएल में कोई जगह है? मैं भी खेल सकता हूं।卐 दरअसल, करीना कपूर खान ने यह पोस्ट तैमूर की ओर से की। बता दें कि फोटो में तैमूर ने काले रंग की जीन्स और व्हाइट टी-शर्ट पहनी हुई है। हाथ में क्रिकेट का बैट लेकर पिच पर खड़े नजर आ रहे हैं और खेलने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। करीना ने यह फोटो गुरुग्राम के पटौदी पैलेस से शेयर की है। तैमूर के पिता बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान है। सैफ के पिता मंसूर अली खान पटौदी थे, जो भारत के जाने-माने क्रिकेटर रह चुके हैं। इस फोटो पर प्रियंका चोपड़ा, करिश्मा कपूर, अमृता अरोड़ा के अलावा पूनम दमानिया ने भी कॉमेंट किया है। सभी ने हार्ट इमोजी के साथ तैमूर को क्यूट बताया है।

बता दें कि करीना कपूर खान इस समय फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग के लिए दिल्ली आई हुई हैं। बेबो, फिल्म के सेट पर सावधानियां बरत रही हैं। खबरों के मुताबिक, करीना के बेबी बंप को वीएफएक्स की मदद से छिपाया जाएगा। इस फिल्म में आमिर खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

करीना कपूर खान, फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद करण जौहर की फिल्म 'तख्त' की शूटिंग शुरू करेंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, भूमि पेडनेकर और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं।

भूमि पेडनेकर ने छोड़ा नॉन-वेज और बनी शाकाहारी, इंस्टाग्राम हैंडल पर बताया कारण

भूमि पेडनेकर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बताया कि वह पूरी तरह से शाकाहारी होने के लिए मांसाहारी और भोजन छोड़ रही हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए, उन्होंने लिखा कि कैसे मांस खाने से अब कुछ अच्छा नहीं लगता। भुमी ने यह भी शेयर किया कि वह कुछ महीनों से ऐसा कर रही है और अपने फैसले के बारे में अच्छा महसूस कर रही है।

भूमी ने लिखा कि वह कुछ सालों से शाकाहारी होने पर विचार कर रही थीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'कई सालों से मैं शाकाहारी होना चाहती थी। लेकिन ब्रेकिंग की आदतें बहुत कठिन हैं। भूमि ने आगे कहा कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया। 'जलवायु योद्धा के साथ मेरी यात्रा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। इसने मुझे अन्य प्रजातियों के प्रति अधिक दयालु बना दिया और मुझे अधिक विनम्र बना दिया। मांस खाने से अब कुछ अच्छा नहीं लगता। इसलिए मैंने लॉकडाउन में एक निर्णय लिया की में मांसाहारी भोजन को त्याग दूंगी। आज कुछ महीने हो गए हैं और मुझे अच्छा, अपराध-बोध से मुक्त और शारीरिक रूप से मजबूत महसूस कर रही हूं। 31 वर्षीय अभिनेत्री ने हैशटैग के साथ पोस्ट किया #FoodForThought। यहां देखें उनकी पोस्ट।

भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म दुर्गावती के लिए डबिंग की, जो एक तेलुगु हॉरर फिल्म भागमथि की हिंदी रीमेक है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने एक तस्वीर शेयर की और लिखा, 'डब कम्प्लीट'। फिल्म 11 दिसंबर को अमेज़ॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी। फ़िल्म शुरू में सिनेमाघरों में रिलीज़ होती, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण अब यह फिल्म डिजीटल मीडिया में रिलीज होगी। भूमि को आखिरी बार डॉली किटी और वो चमकते सितारे में कोंकणा सेन्शर्मा के साथ देखा गया था।

एक्ट्रेस रिचा चड्ढा और पायल घोष ने आपसी सहमति से सुलाझाया मामला, जानें क्या है पूरा विवाद

अभिनेत्री रिचा चड्ढा और पायल घोष ने बंबई उच्च न्यायालय को बुधवार को बताया कि उन्होंने आपसी विवाद को सुलझा लिया है और सहमति की शर्तों को दाखिल किया है जिसके तहत घोष ने चड्ढा के खिलाफ दिए गए बयान को वापस लिया और माफी मांगी है। गौरतलब है कि चड्ढा ने पिछले सप्ताह घोष पर ''गलत, निराधार, अभद्र और अपमानजनक बयान'' देने के आरोप में मानहानि का मामला दाखिल किया था साथ ही क्षतिपूर्ति के तौर पर हर्जाने की मांग की थी। घोष ने फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाया था और इस मामले में चड्ढा सहित दो महिलाओं का नाम भी लिया था।

घोष के वकील नितिन सतपुते ने न्यायमूर्तिए के मेनन को बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद सुलझा लिया है और इस संबंध में एक अर्जी दाखिल की है। घोष ने वचनपत्र में कहा वह उस बयान को वापस ले रही हैं जो उन्होंने चड्ढा के खिलाफ दिया था और माफी मांगती हैं। सतपुते ने उच्च न्यायालय में कहा,''दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हो गए हैं कि वेइस मामले में एक दूसरे के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं करेंगे और हर्जाने के तौर पर धन की कोई मांग नहीं की जाएगी। वहीं चड्ढा के वकील वीरेन्द्र तुल्झापुरकर और सवीना बेदी ने भी बताया कि मामला सुलझा लिया गया है। न्यायमूर्ति मेनन ने इसे स्वीकार किया और घोष के खिलाफ मामले को खारिज कर दिया।

सोनू सूद ने अपना मां को 13 वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि, शेयर किया इमोशनल पोस्ट

सोनू सूद की मां सरोज सूद की 13 वीं पुण्यतिथि पर, अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक बहुत इमोशनल नोट साझा किया। सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर अपनी मां की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि 13 साल पहले आज के ही दिन, 13 अक्टूबर को .. जब जीवन मेरे हाथों से फिसल गया। सोशल मीडिया पर सोनू सूद को अकसर अपनी मां को याद करते हुए तस्वीर साझा करते हुए देखा गया हैं।

इससे पहले सोनू सूद ने अपनी मां के जन्मदिन पर भी एक भावुक पोस्ट अपने फैंस के साथ साझा की थी। सोनू सूद ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा हैप्पी बर्थडे माँ बस हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते रहो जिस तरह से तुम मेरी सारी जिंदगी करते रहे हो। काश मैं तुम्हें गले लगा सकता आपको बता सकता था कि मैं आपसे कितना प्यार करता हूं... लेकिन मुझे यकीन है कि आप भी हमें याद कर रही होंगी जहां आप हैं। ज़िन्दगी कभी भी एक जैसी नहीं होगी लेकिन मेरी मार्गदर्शक परी बनो जब तक मैं तुम्हें फिर से माँ नहीं देखूँ। मिस यू।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

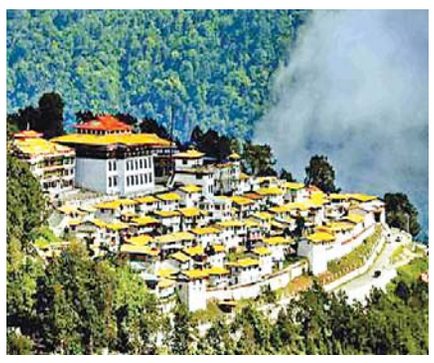

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपात

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा : गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

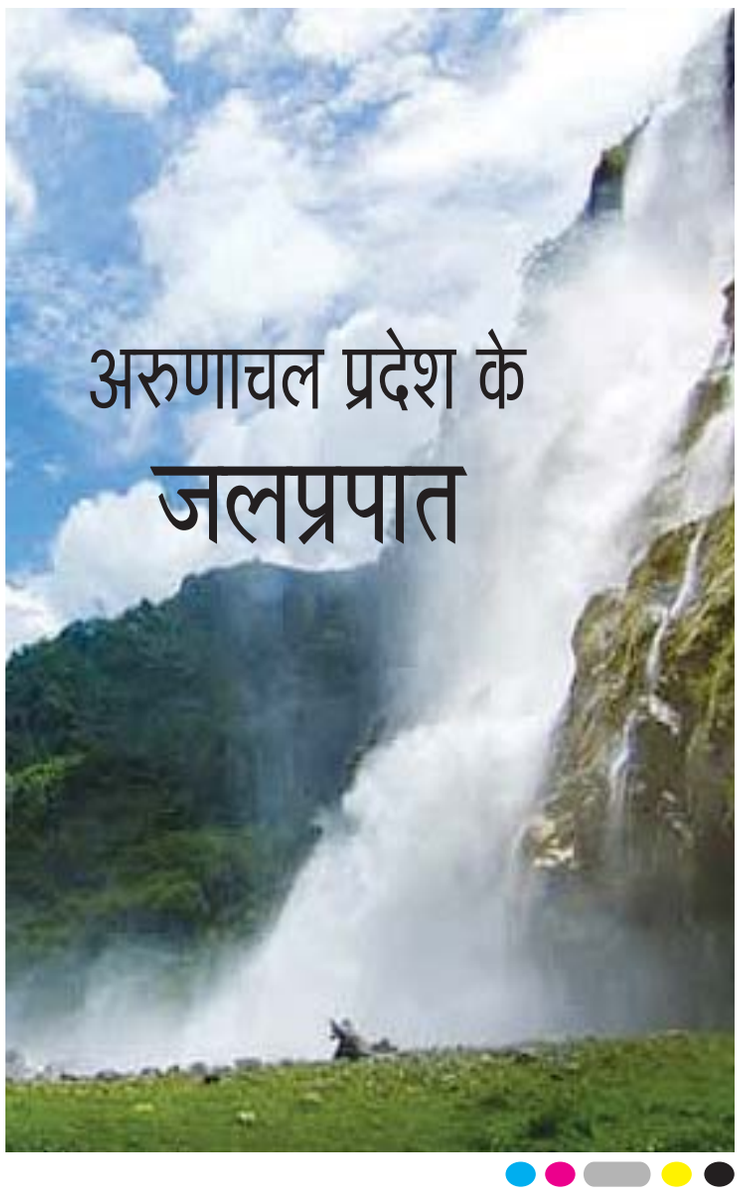

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छेड़खानी से आहत किशोरी ने कुंए में कूदकर दी जान, तीन नामजद

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। जिले के बाघराय क्षेत्र में छेड़खानी से परेशान एक किशोरी ने घर के सामने बने कुंए में कूदकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक बाघराय इलाके में पुवासी गांव में दबंगो के दिन के एक दिन पहले भी रात में बदनियती से उसके घर में कूदा था। शोर मचाने पर जान से मार देने की धमकी दी और उन लोगो ने मारपीट भी की थी, लेकिन लोकलाज व धमकी की डर से पुलिस में

की छेड़खानी से परेशान 17 वर्षीय किशोरी शिवानी मंगलवार को करीब तीन बजे घर के सामने स्थित कुएं में कूद गई, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में शिवानी के पिता शीतला प्रसाद अग्रहरि की गांव के ही डब्बू सिंह, गुड्डू सिंह व मुन्नू तिवारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शीतला प्रसाद ने बताया है कि करीब छह माह से आरोपी शिवानी को परेशान कर रहे थे, घटना इसकी शिकायत नहीं की। घटना के समय परिजन घर में ही मौजूद थे, सूचना मिलने पर पुलिस ने कल शाम करीब पांच बजे शव कुएं से निकालकर पोस्ट मार्टम के लिये भेज दिया।

पुलिस नामजद आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। उधर, मृतका के परिजनों ने अपनी जान का खतरा बताया है। गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

शादी का झांसा देकर प्रेमी ने बनाई अश्लील वीडियो, फिर दोस्त के साथ मिलकर किया गैंगरेप

मुरादाबाद (एजेंसी)। जिले के एक गांव की युवती ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि उसके प्रेमी ने शादी का झांसा देकर उसकी अश्लील वीडियो बना ली। बाद में ब्लैकमेल करके अपने दोस्त के साथ कई बार उसका रेप किया। युवती का रिश्ता तय हो जाने पर प्रेमी ने वायरल करने की धमकी देकर दोनों दोस्त लगातार युवती का बलात्कार करते रहे।

इसी बीच युवती के परिजनों ने उसका रिश्ता उत्तराखंड निवासी एक युवक के साथ कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने लड़की की अश्लील वीडियो क्लिप फेसबुक पर अपलोड कर उसका रिश्ता खत्म करवा दिया। मंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई गई। पुलिस का कहना है कि युवती के साथ प्रेम संबंधों का मामला जानकारी में आया है। मामले की शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन बाद में दोनों पक्षों में समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। मामले में तहरीर मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

उसकी अश्लील वीडियो फेसबुक पर अपलोड कर दी।

प्राप्त विवरण के मुताबिक ठाकुरद्वारा कोतवाली क्षेत्र स्थित निवासी युवती का अपने ही समुदाय के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोप है कि शादी का झांसा देकर युवक ने शारी. रिक संबंध बनाए। प्रेमी ने उसकी अश्लील वीडियो क्लिप भी बनाई और उसे ब्लैकमेल करना शुरु कर दिया। युवक शादी से मुकर गया तो उसके दोस्त ने शादी कराने का वादा करके युवती को अपने घर बुलाया और उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद अश्लील वीडियो क्लिप को

महिला संबंधी अपराधों पर तत्काल सख्त कार्यवाही हो-योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा, चित्रकूट और प्रतापगढ़ जिले की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं तथा नाबालिग बच्चों से सम्बन्धित अपराधों में तत्काल प्रभावी और कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ऐसे प्रकरणों में वरिष्ठ अधिकारी अविलम्ब घटना स्थल पर पहुंचकर विवेचना सम्बन्धी सभी कार्यवाही समय से पूरी कराएं तथा प्रभावितों को सुरक्षा उपलब्ध कराएं।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि महिलाओं से सम्बन्धित अपराधों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में तथा नाबालिग बच्चों के साथ हुए अपराधों को पॉक्सो कोर्ट में अभियोजित कराया जाए। अभियोजन पक्ष से प्रभावी पैरवी कराकर दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलायी जाए।

सार-समाचार

उप जिलाधिकारी ने एम एस पी रेट पर धान-खरीद का भरोसा दिलाते हुए समाजवादी पार्टी का समाप्त कराया धरना

मोहम्मदी खीरी। सरकारी रेट पर खरीद करो , वरना गद्दी छोड़ दो के समाजवादी पार्टी की मुहिम खेत बचाओ , बेटी बचाओ , किसान बचाओ के अंतर्गत मोहम्मदी कृषि मंडी समिति में सुबह से ही समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व जिला उपाध्यक्ष क्रांति कुमार सिंह व विधानसभा अध्यक्ष दिलीप यादव के नेतृत्व में सैकड़ों की तादाद में पहुंचकर अनिश्चितकालीन धरने को बल दिया । धरने में मुख्य रुप से किसानों की धान की फसल ?800 कुंटल से लेकर 1200 रुपए कुंतल तक खरीदा जाने का भरपूर विरोध हुआ। साथ ही गन्ना किसानों के बकाया पेमेंट को तत्काल दिलाये जाने संबंधी मांग रखी गयी । विद्युत समस्या को अवगत कराते हुए बताया कि जो किसानों के बिल बिना कोई बिजली चालू हुए आ रहे है उनकी निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की जाए इसी बीच उपजिलाधिकारी मोहम्मदी स्वाति शुक्ला ने मौके पर पहुंच कर समाजवादियों की मांग को जनहित की मांग बताते हुए तत्काल मंडी सचिव को दिशा निर्देश दिए। वहीं दोबारा ऐसी शिकायतों के मिलने पर तत्काल कार्यवाही की बात कही और धरने को समाप्त कराया ।

सी. एस. सी. पसगवां में संपूर्ण ब्लाक स्तरीय ए. एन. एम. व मुख्य सेविका का दिया गया प्रशिक्षण

पसगवां खीरी।साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सम्पूर्ण ब्लॉक स्तरीय ए0एन0एम0 एवं मुख्य सेविका का प्रशिक्षण सी0एस0सी0 पसगवां में दिया गया । प्रशिक्षण अधीक्षक डॉ0 अश्वनी कुमार वर्मा

की मौजूदगी में दिया गया। जिसमें दो ट्रेनर डॉ0 आशुतोष शुक्ला त्वैेह,शालिनी पांडेय अर्श काउंसलर तो ने फो. लिक एसिड खिलाने के विषय में व रख रखाव के विषय में विस्तार से जानकारी दी।इस मौके पर 29 उपकेंद्रों की 40 एं० व दो मुख्य सेविकाओ को प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण सुबह 10बजे से 3बजे तक चला। प्रशिक्षण सम्पूर्ण होने के उपरांत सी. एस. सी. अधीक्षक डॉ0अश्वनी वर्मा द्वारा सभी लोगो को प्रमाणपत्र वितरित किये गए।

नहर कटने से कई बीघे फसले डूबी

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव क्षेत्र के पसेमा गांव के पास माइनर में खांधी कटने से कई बीघे फसल जलमग्न हो गई। शिकायत के बावजूद सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं आये। किसानों ने मिट्टी की बोरियां रखकर खांधी बांधी। उफनाई माइनर के चलते करीब दस पन्द्रह घंटे में ही फसलें पानी से लबालब हो गयी।

धरमपुर बम्बा में भेल्सा गांव के पास से निकली पसेमा मा. इनर में सोमवार देर रात खांधी कट गयी। सुबह जब किसान खेतों की तरफ गये तो फसलें चारों ओर पानी से लबालब हो गयी। खेतों में पानी भरने से तीन गांवों भीतरगांव, कुम्हऊपुर व पसेमा गांव के 50 से अधिक किसानों की करीब 80-90 बीघे फसल जलमग्न हो गई।

ट्रैक्टर की टक्कर से नव दंपति की मौत' 5 माह पहले हुई थी शादी गांव दरौली से ससुराल जा रहे थे

कानपुर(घाटमपुर)थाना घाटमपुर क्षेत्र की चौकी रेवना अंतर्गत गांव दरौली निवासी मृतक अमर सिंह पासी पुत्र रामप्रसाद मृतक पत्नी रामा अपने पति के साथ गांव दरौली से अपने मायके बामन जा रहे थे तभी रास्ते में राम गोपाल इंटर कॉलेज के सामने एक ब्रिक फील्ड में कार्यरत ट्रैक्टर द्वारा जोरदार टक्कर से नव दंपति की जीवन लीला समाप्त हो गई घटना को अंजाम देकर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया मौके पर थाना घाटमपुर पुलिस के द्वारा पहुंचकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया

गांव वालों के मुताबिक ट्रैक्टर चालक दुरोली निवासी सत्येंद्र कुरील पुत्र कुल्लू कुरील बताया जाता है

बताया जाता है कि मृतक राज ब्रिक फील्ड में ड्राइवर के पद पर कार्य करता था।

अवैध असलहे के साथ शातिर अपराधी गिरतार

बाराबंकी(एजेंसी)। थाना दरियाबाद पुलिस ने एक शातिर अपराधी को गिरतार कर उसके पास से एक अवैध असलाह व जिन्दा कारतूस बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक डा़ अरविन्द चतुर्वेदी के आदेश पर दरियाबाद पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान चलाया। थानाध्यक्ष सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया की हमारे खास मुखबिर ने सूचना दी की एक बदमाश बमनाभारी चौराहा के पास खड़ा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुमित पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँच गये। पुलिस को देखते ही वहा भागने लगा लेकिन पुलिस टीम ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवेध असलाह व जिन्दा कारतूस बरामद किया। पुलिस की पूछताछ पर उसने अपना नाम हीरालाल पुत्र मोतीलाल निवासी डिहा मजरे धीर किठाई थाना दरियाबाद बताया। थानाध्यक्ष ने बताया की अभियुक्त हीरालाल पर दर्जनो आपराधिक मुकदमें चल रहे है और पुलिस को इसकी काफी दिनो से तलाश चल रही थी। फिलहाल पुलिस अभियुक्त हीरालाल को जेल भेज दिया।

नौकरी छूटने से प्रवासी मजदूर ने की खुदकुशी

नोएडा(एजेंसी)। नोएडा के जलपुरा गांव में किराए पर रहने वाले एक प्रवासी मजदूर ने नौकरी छूटने की वजह से आत्महत्या कर ली। मृतक की नवंबर माह में शादी थी। इसके साथ ही थाना बीटा (दो शादी होने वाली थी।

उन्होंने बताया कि उमाशंकर ने देर रात अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

परिचितों ने बताया कि नौकरी छूटने की वजह से वह काफी

मानसिक तनाव के चलते एक छात्रा ने भी दी जान

प्रतीकात्मक फोटो

क्षेत्र के सेक्टर बीटा) 2 में रहने वाली एक 15 वर्षीय छात्रा ने मानसिक तनाव के चलते अपनी जान दे दी।

पुलिस कमिश्नर के मीडिया प्रभारी अभिनेंद्र सिंह ने बताया कि थाना ईकोटेक- 3 क्षेत्र के जलपुरा गांव में रहने वाला उमाशंकर प्रसाद (30 वर्ष) ग्रेटर नोएडा में स्थित एक पेन बनाने वाली नामी कंपनी में काम करते थे।

उन्होंने बताया कि लॉकडाउन की वजह से उसकी नौकरी छूट गई थी। नवंबर माह में उसकी दिनों से मानसिक तनाव में था। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बीटा -दो क्षेत्र के सेक्टर बीटा- दो में रहने वाली 15 वर्षीय छात्रा कुमारी रिंकी ने बीती रात मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

शासन की गाइड लाइन के अनुसार आयोजित होंगे आगामी त्यौहार नवरात्रि, महानवमी एवं विजयदशमी कि त्योहारों पर नहीं बरती जा सकेगी कोई लापरवाही

ललितपुर(एजेंसी) जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी नवरात्रि, महानवमी एवं विजयदशमी (दशहरा) के त्यौहारों पर शान्ति व्यवस्था एवं अनुसांगिक कार्यों के सम्बंध में जनपद के धर्मप्रमुखों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए हमें अपने त्यौहारों के आयोजनों में हमारी एवं दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। आगामी त्यौहारों को इस प्रकार मनायें जिससे किसी भी प्रकार की भीड़ एकत्रित न हो। त्यौहारों के दौरान शासन की गाइडलाइन का विशेष ध्यान रखा जाए।

इसके साथ ही आगामी त्यौहारों के दौरान पुलिस पूरी तहर से मुस्तैद रहेगी, साथ ही असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जाएगी। इसके उपरान्त नरसिंह रामलीला कमेटी के अध्यक्ष द्वारा अनुरोध किया गया कि शासन की गाइडलाइन के आलोक में रामलीला का आयोजन कराये जाने के लिए स्थानीय व्यवस्थाओं में कुछ ढील दी जाए, जिससे मूर्तियों की स्थापना एवं रामलीला का आयोजन किया जा सके। उन्होंने कहा कि मूर्तियों एवं जवारों के विसर्जन के सम्बंध में प्रशासन कोई गाइडलाइन तय करे, जिससे विसर्जन सुचारु रुप से किया जा सके।

सोशल डिस्टेंस के पालन के साथ मनाए जाएंगे सभी त्योहार

बैठक में जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि पहली बार प्रशासन ने किसी त्यौहार के आयोजन की अनुमति दी है। हमें इस अवधि के दौरान ध्यान रखना होगा कि त्यौहारों के दौरान न तो कोई परम्परा टूटे और न ही कोविड की गाइडलाइन का उल्लंघन हो। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ललितपुर में पूर्व में त्यौहार सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाये गए हैं, वह सराहनीय है और आगे भी ललितपुरवासी आगामी त्यौहारों को सौहार्द के साथ मनायेंगे। इस अवधि में हमें अपने परिवार और अपने समाज को कोरोना जैसी महामारी से बचाना है, खासेर बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखना है। इसके साथ ही उन्होंने सभी रामलीला कमेटियों व मूर्ति स्थापना समितियों से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने आयोजन स्थलों पर सैनेटाइजेशन व सोशल डिस्टेंसिंग की योजना प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें।

आगामी समय में कई त्यौहार एक साथ आने वाले हैं, इस अवधि में शासन की कोरोना की गाइडलाइन का सख्ती से पालन किया जाए।

इसके उपरान्त त्यौहारों के आयोजन में पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई, जिसमें जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध करायी जाएगी। इसके साथ ही त्यौहारों के दौरान महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शासन की गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करायेंगे। साथ ही विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर त्यौहारों के दौरान अबाध विद्युतआपूर्ति सुनिश्चित करायेंगे। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत का निर्देश दिये कि त्यौहारों के दौरान अबाध विद्युतपूर्ति के लिए सभी ट्रांसफार्मरों को ठीक करायें। अधिशासी अभियंता जल संस्थान त्यौहारों के दौरान अबाध स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करना सुनिश्चित करेंगे।साथ ही सभी अधिशासी अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में समुचित सफाई व्यवस्था कराना सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में पुलिस अधीक्षक कैप्टन एम0एम0 बेग, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला सूचना अधिकारी पीयूष चन्द्र राय सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं जनपद के धर्मप्रमुख एवं नरसिंह रामलीला समिति के पदाधिकारी नरेन्द्र कड़की, पंकज पार्षद, रामसेवक गुप्ता उपस्थित रहे।

यूपी में कोविड-19 से रिकवरी का दर 90 प्रतिशत से अधिक हुआः सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड-19 के मामलों में प्रदेश का रिकवरी रेट 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि शासन स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जनपद लखनऊ, वाराणसी, मेरठ और मथुरा के जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से नियमित संवाद स्थापित करते हुए कोविड-19 के नियंत्रण के सम्बन्ध में उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का प्रभावी टीका आने तक कोई ढिलाई ना बरती जाए। एहतियात के मूल मंत्र के साथ ही भविष्य में भी इस बीमारी के खिलाफ जंग जारी रहेगी। मरीजों की सुविधा के लिए एम्बुलेंस सेवा सक्रियता से कार्य करे।उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि बुधवार को प्रदेश में 2778 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या अब 4 लाख 44 हजार 711 हो गई है। इसमें से कुल 4 लाख 01 हजार 306 लोग इलाज के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में रिकवरी रेट बढ़कर अब 90.24 प्रतिशत हो गया है। राज्य में फिलहाल कोरोना के 36 हजार 898 सक्रिय मरीज हैं। वहीं बीते 24 घंटे में कोरोना के कारण कुल 41 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी के कारण जान गंवाने की संख्या 6507 तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत स्थापित धान खरीद केन्द्रों को प्रभावी तरीके से संचालित करते हुए किसानों की अधिक से अधिक उपज की खरीदी की जाए। किसानों को सभी सहूलियतें उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि धान बेचने वाले सभी किसानों के खाते में 72 घण्टे के अन्दर भुगतान की धनराशि अन्तरित कर दी जाए। उन्होंने कहा कि सब्जी और दालों के मूल्य को नियंत्रित करने के लिए सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में प्रभावी कार्यवाही करें।

बैंकिंग सुविधाएं अब मिलेंगी आपके द्वार

बाराबंकी(एजेंसी)। अब सरकारी योजना या स्कालरशिप में बाधक नहीं नहीं बनेगा आधार, संशोधन के लिये बैंक, पोस्ट ऑफिस और बीआरसी केन्द्रों पर लगने वाली लम्बी कतारों से लोगो को मिलेगी मुक्ति अब जिले के सीएससी केन्द्रों से आधार संशोधन का कार्य शुरू हो चुका है पहले इन केन्द्रों से केवल केवल वही आधार संशोधित होते थे जिन में मोबाइल नंबर दर्ज होते थे

लेकिन अब नया सॉटवेर आने से बिना मोबाइल वाले आधार का संसोधन भी शुरू हो चुका है पूर्व में बने अधिकतर आधार में मोबाइल नंबर न दर्ज होने से ये लोगो को परेशानी का कारन बना हुआ था सीएससी के बैंकिंग केन्द्रों से ये सुविधा शुरू की जा चुकी है।

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के तहत काम करने वाले सीएससी के बैंकिंग वाले केन्द्रों को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार अपडेशन के लिए को इसकी इजाजत दी है।

इसके लिए सीएससी संचालकों को ऑनलाइन ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है। हालांकि यह कार्य बैंकों व पोस्ट ऑफिसों को सौंप दिया गया था।

वहां भी लगने वाली लंबी लाइनें और महीनों आगे की मिलने वाली तारीख ने लोगों की समस्याओं को और बढ़ा दिया। इन्हीं दिक्कतों को देखते हुए कॉमन सर्विस सेंटरों को आधार कार्ड अपडेट करने का कार्य सौंपा गया है। इससे लोगों को काफी लाभ होगा। आधार में सुधार के लिए उन लोगों को इधर उधर अब भटकना नहीं पड़ेगा।

इन सभी केन्द्रों पर आधार संसोधन का केवल 50 रुपये निर्धारित है इसके अतरिक्त कोई अन्य चार्ज नहीं देय होगा इन केन्द्रों पर आधार संसोधन के लिये किसी भी प्रकार की बुकिंग की जरुरत नहीं होगी कोई भी व्यक्ति सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक कभी भी जा कर इन केंद्र से अपना कार्य करा सकता है अभी जिले के बाराबंकी नगर, रामनगर, सुबेहा, भानमऊ, जैदपुर, त्रिलोकपुर, सैदनापुर, देवीगंज, हरिलापुरवा चौराहा, भागौली, सैदनापुर, देवा सतरिख, सहावपुर, असंद्रा बाजार में ये सुविधा शुरू हो चुकी है जल्द ही जनपद के अन्य बैंकिंग केन्द्रों से ये सुविधा शुरू होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महाराष्ट्र सरकार ने 15 अक्टूबर से मेट्रो ट्रेन संचालन की दी अनुमति, पुस्तकालय भी फिर से खुलेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने अपने अभियान 'बिगिन अगेन' के तहत मुंबई में मेट्रो ट्रेनों का संचालन 15 अक्टूबर से चरणबद्ध तरीके से करने की अनुमति देने का बुधवार को फैसला किया। यहां जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, सरकार ने इसके साथ ही बृहस्पतिवार से सभी सरकारी और निजी पुस्तकालयों को फिर से खोलने की भी अनुमति दी जिसके लिए कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। सरकार ने कल से निषिद्ध क्षेत्रों के बाहर उद्योग प्रदर्शनियों को भी इजाजत दी। स्थानीय साप्ताहिक बाजारों को भी निषिद्ध क्षेत्रों के बाहर फिर से खोलने की इजाजत दी जाएगी। इसमें जानवरों के बाजार भी शामिल होंगे। भीड़ कम करने के उद्देश्य से बाजार और दुकानों को कल से रात नौ बजे तक दो अतिरिक्त घंटे खोलने की इजाजत होगी। सरकार ने विभिन्न हवाईअड्डों पर आने वाले घरेलू यात्रियों के लिए कोविड-19 जांच के बाद अमिट स्याही से मुहर लगाना बंद करने का फैसला किया है। इसी तरह से रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच और उन पर मोहर लगाना भी बंद किया जाएगा।

गुपकार घोषणा: फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को बुलाई बैठक, महबूबा मुफ्ती होंगी शामिल

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के संबंध में 'गुपकार घोषणा' पर भविष्य की कार्रवाई का खाका तैयार करने के लिए बृहस्पतिवार को अपने आवास पर बैठक बुलाई है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भी बैठक में भाग लेंगी। मुफ्ती को 14 महीने की हिरासत के बाद मंगलवार को छोड़ा गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरे पिता और मैंने महबूबा मुफ्ती साहिबा से मिलकर रिहाई के बाद उनका हालचाल पूछा।'' उन्होंने कहा कि पीडीपी नेता ने 'गुपकार घोषणा' पर हस्ताक्षर करने वालों की बृहस्पतिवार को होने वाली बैठक में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है। उमर ने कहा, ''उन्होंने कल दोपहर बाद गुपकार घोषणा पर हस्ताक्षर करने वालों की बैठक में शामिल होने के फारूक साहिब के निमंत्रण को विनम्रता से स्वीकार कर लिया है।'' गुपकार घोषणा नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष के गुपकार स्थित आवास पर चार अगस्त, 2019 को हुई एक सर्वदलीय बैठक के बाद जारी प्रस्ताव है। इसमें कहा गया था कि पार्टियों ने सर्व-सम्मति से फैसला किया है कि जम्मू कश्मीर की पहचान, स्वायत्तता और उसके विशेष दर्जे को संरक्षित करने के लिए वे मिलकर प्रयास करेंगी।

उत्तराखंड में एक नवंबर से खुलेंगे 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए स्कूल

देहरादून। कोविड-19 महामारी के कारण लंबे समय से बंदस्कूल उत्तराखंड में 10 वीं और 12 वीं के छात्रों के लिए एक नवंबर से खुल जाएंगे। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद राज्य सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने संवाददाताओं को बताया कि जिलाधिकारियों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी और अभिभावकों से राय मशविरा के बाद दिए गये फीडबैक के आधार पर यह निर्णय लिया गया। मंत्री ने बताया कि स्कूल केवल इन्हीं दो कक्षाओं के लिए खुलेंगे और स्कूल प्रबंधन को कोविड-19 महामारी संबंधी प्रोटोकॉल.. जैसे मास्क पहनना, सामाजिक दूरी और सैनिटाइजेशन आदि जैसे सुरक्षात्मक उपायों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराना होगा। अन्य कक्षाओं को शुरू करने के संबंध में उन्होंने कहा कि 10वीं और 12वीं के छात्रों का पहला महीना कैसा गुजरता है, सबकुछ उसी पर निर्भर होगा। इसबीच ऑनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। अनलॉक-पांच के लिए जारी दिशा निर्देशों में केंद्र ने स्कूलों को फिर से खोलने का निर्णय राज्य सरकारों पर छोड़ दिया था। महामारी को देखते हुए सभी सरकारी कर्मचारियों का एक साल तक प्रतिमाह एक दिन का वेतन काटे जाने के अपने निर्णय को संशोधित करते हुए राज्य मंत्रिमंडल ने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को छोड़कर अन्य सभी को इसके दायरे से बाहर कर दिया।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए खुशखबरी, एनआरएलएम के तहत 520 करोड़ रुपए का विशेष पैकेज

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत 520 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला हुआ। सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने इसकी जानकारी दी। जावडेकर ने संवाददाताओं को बताया, ''केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 520 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दी।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की परिकल्पना है कि 10 करोड़ों महिलाओं तक यह योजना पहुंचे। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में इस योजना में बहुत कम महिलाओं का रजिस्ट्रेशन होता था, अब वहां 10 लाख महिलाएं यानि दो तिहाई परिवार इससे जुड़ जाएंगे। इसके लिए विशेष पैकेज दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने उम्मीद जताई कि दोनों केंद्र शासित क्षेत्रों के लोग इस फैसले का स्वागत करेंगे।

भारत ने बनाए 44 पुल तो बौखलाया चीन, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को बता दिया अवैध

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय सशस्त्र बलों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित 44 पुलों के निर्माण के बाद चीन बुरी तरह बौखला उठा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हम भारत के अवैध रूप से स्थापित लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को मान्यता नहीं देते हैं। साथ ही चीन ने भारतीय क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के निर्माण को लेकर अपना विरोध भी दर्ज कराया। चीन ने सीमावर्ती क्षेत्र में भारत के बुनियादी ढांचे के विकास को दोनों पक्षों के बीच तनाव का मूल कारण बताया।

अरुणाचल और लद्दाख पर बेतुका बयान : चीन ने अरुणाचल और लद्दाख पर बेतुका बयान देते हुए कहा कि भारत की तरफ से गैर कानूनी तौर पर स्थापित केंद्र शासित लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं देता है। हम विवादग्रस्त इलाके में सैन्य उद्देश्य से किये जाने वाले किसी भी ढांचागत विकास का विरोध करते हैं। दोनों पक्षों को कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे कि मौजूदा कोशिशों को धक्का लगे।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए मोदी के पास 44 पुल : भारत और चीन के बीच जारी सीमा विवाद के बीच बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) द्वारा 44 पुलों का निर्माण किया गया है। बीते दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिन 44 पुल का उद्घाटन हुआ है उनमें से 30 पुल लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक में आते हैं जहां एलओसी है। इन पुलों का निर्माण क्लास 70 तकनीक से हुआ है जिसपर से 70 टन का भारी वाहन भी गुजर सकता है। इन पुलों के निर्माण से सेना को समय पर हथियार और गोला बारूद उपलब्ध कराये जा सकेंगे। ये पुल 286 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए।

बनाए पुलों पर टी-90 जैसा वजनी टैंक भी आराम से आ जा सकता : चीन के साथ जारी सीमा विवाद के बीच भारत ने हर स्थिति से निपटने के लिए 102 पुलों के निर्माण की योजना बनायी है। अबतक देश में 54 पुल बनाये जा चुके हैं। अबतक बनाये गये 54 पुल इतने मजबूत हैं कि इन पर युद्ध की स्थिति में टी-90 जैसा वजनी टैंक भी आराम से आ जा सकता है।

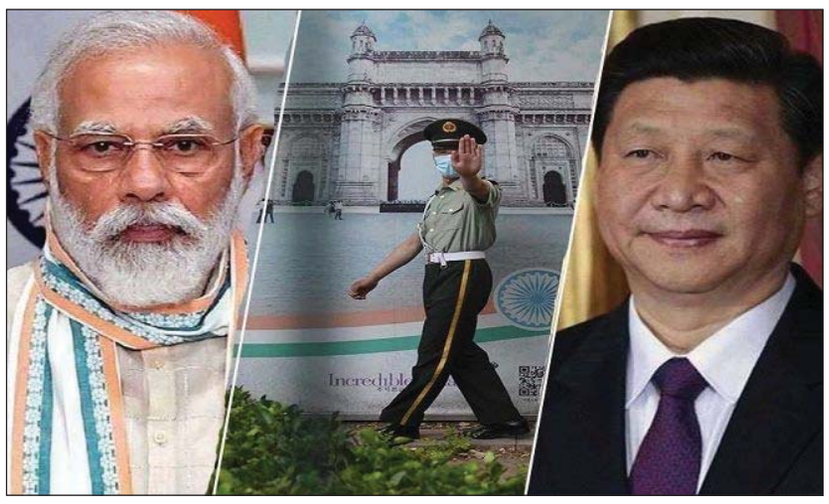

पीएम मोदी के पांच हजार डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सपने की दिशा में भारी गिरावट: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था 'खस्ताहाल' है और प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में बांग्लादेश के भारत से आगे निकलने का आईएमएफ का आकलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने' को पूरा करने की दिशा में हतोत्साहित करने वाली बात है। तृणमूल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद बनर्जी ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक समाचार कोडलाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है और आईएमएफ न्यूज के वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक के अनुसार प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में बांग्लादेश हमसे आगे निकलने वाला है। ध्यान से सुनिए, यह हमारा पुनरुत्थान नहीं है बल्कि नरेंद्र मोदी जी के पांच हजार डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सपने की दिशा में यह भारी गिरावट है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को 2024 तक पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने मंगलवार को कहा था कि कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित भारत की अर्थव्यवस्था में इस साल 10.3 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। हालांकि, इसके साथ ही आईएमएफ ने अपनी ताजा वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में यह भी कहा है कि 2021 में भारतीय अर्थव्यवस्था में संभवतः 8.8 प्रतिशत की जोरदार बढ़त दर्ज की जायेगी और वह चीन को पीछे छोड़ते हुये तेजी से बढ़ने वाली उभरती अर्थव्यवस्था का दर्जा फिर से हासिल कर लेगी। चीन के 2021 में 8.2 प्रतिशत वृद्धि हासिल करने का अनुमान है।

आर्टिकल 370 की बहाली, कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए संघर्ष जारी रहेगा: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर मुद्दे के समाधान और अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए अपने संघर्ष को जारी रखने का संकल्प लिया। गौरतलब है कि महबूबा को 14 महीने की हिरासत के बाद मंगलवार रात रिहा किया गया था। महबूबा ने कहा कि पिछले साल पांच अगस्त को लिया गया केंद्र का फैसला ''दिनदहाड़े लूट'' थी। उन्होंने मंगलवार देर रात ट्विटर पर 83 सेकेंड का एक ऑडियो संदेश डाला। इसमें उन्होंने कहा, ''हम सभी को संकल्प लेना होगा कि जो कुछ भी हमसे गैरकानूनी, अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक तरीके से पिछले वर्ष पांच अगस्त को छीना गया था, उसे हम वापस पाकर रहेंगे। हम कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए भी काम करना होगा जिसके लिए हजारों लोगों ने अपनी जान दी।''

पीडीपी नेता ने कहा कि यह कोई आसान काम नहीं है और ''इस राह में मुश्किलें आएंगी लेकिन हमारी निष्ठा और दृढ़ता इस संघर्ष में हमारे मददगार होंगी।'' पिछले वर्ष पांच अगस्त को केंद्र ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करइसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था।

महबूबा ने विभिन्न जेलों में बंद कश्मीर के लोगों की रिहाई की भी मांग की। उन्होंने कहा, ''जैसे मुझे रिहा किया गया, उसी तरह अन्य (कश्मीरी) लोगों को भी हिरासत से रिहा किया जाए जो देशभर की जेलों में बंद हैं।''

पीडीपी अध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को उनके विरुद्ध जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत लगाए गए आरोपों को इस केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासन द्वारा हटा लिए जाने के बाद मंगलवार रात रिहा कर दिया गया था। पिछले साल अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया था।

उच्चतम न्यायालय में उन्हें हिरासत में रखने से जुड़े मामले पर अगली सुनवाई होने से महज दो दिन पहले यह कदम उठाया गया है। उपायुक्त ने आदेश दिया कि तत्काल प्रभाव से महबूबा से पीएसए हटाया जाए। उनकी हिरासत इस साल 31 जुलाई को तीन महीने के लिए बढ़ा दी गयी थी। महबूबा (60) को पिछले साल पांच अगस्त को पहले एहतियाती हिरासत में रखा गया था और बाद में छह फरवरी को उन पर कठोर पीएसए कानून लगा दिया गया। उन्हें सात अप्रैल को उनके सरकारी निवास में ले जाया गया जिसे प्रशासन ने पहले उप-जेल घोषित किया था।

भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार से प्रदेश के लोग दुखी: ओम प्रकाश चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने बुधवार को प्रदेश की भाजपा-जजपा की गठबंधन सरकार पर हमला बोलते हुये कहा कि राज्य के लोग मौजूदा सरकार से दुखी हैं और आगे महीने होने वाले बरोदा विधानसभा उप चुनाव में इस सरकार का भाग्य तय हो जायेगा। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी, जननायक जनता पार्टी के साथ मिल कर गठबंधन की सरकार चला रही है। पूर्व मुख्यमंत्री की अगुवाई वाली इंडियन नेशनल लोकदल से टूट कर जजपा का गठन हुआ है।

चौटाला ने यहां संवाददाताओं से कहा, समाज का हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, व्यापारी हो या कर्मचारी हो, सभी इस सरकार की अराजकता से दुखी हैं। उन्होंने दावा किया कि उप चुनाव का परिणाम आते ही भाजपा-जजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जायेगी। वरिष्ठ नेता ने कहा कि उप चुनाव इस सरकार का भाग्य तय करेगा। इस सीट का परिणाम राज्य को मध्यावधि चुनाव के पथ पर ले जा सकता है। उन्होंने नयी कृषि नीतियों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुये कहा कि उनकी पार्टी 20 नवंबर को कुरुक्षेत्र में किसान बचाओ रैली आयोजित करेगी।

अपराधियों के साथ खड़ी है उत्तर प्रदेश सरकार, बर्खास्त किया जाए: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपराध की हालिया घटनाओं को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं क्योंकि वहां की सरकार उनके साथ खड़ी है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को राज्य सरकार को बर्खास्त करना चाहिए ताकि अपराधियों को एक सख्त संदेश दिया जा सके। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हाथरस में लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद फिर पांच साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। इससे यह साबित हो रहा है कि पिछले तीन साल में सरकार ने यह माहौल बना दिया है जिसमें अपराधी आश्वस्त हैं कि उनका कोई बाल बांका नहीं कर सकता।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''गोंडा में तीन बच्चियों पर तेजाब से हमला किया गया। अलीगढ़ में एक पुजारी की हत्या कर दी गई। पिछले दिनों बागपत की नहर में दो साधुओं के शव मिले। आखिर क्या कारण है कि इतना बड़ा प्रदेश ऐसी सुर्खियों में बना हुआ है, जिससे हम सब शर्मसार हैं।'' खेड़ा ने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया, ''उत्तर प्रदेश हत्या और बलात्कार के मामले में नंबर 2 पर है। आत्महत्या के मामले में उप्र शीर्ष पर है, एसिड अटैक में आगे है, धोखाधड़ी और अपहरण के मामले में शीर्ष पर है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''समस्त राज्यों के मुकाबले उत्तर प्रदेश महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़े में सबसे ऊपर है। साल 2019 के डेटा के अनुसार लगभग 60 हजार मामले सामने आए हैं।''

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''शर्म आती है ये सब देखकर कि इतने बड़े और महत्वपूर्ण प्रदेश की ये हालत कर दी गयी है। पहली बार यह देखने को मिल रहा है कि एक चुनी हुई सरकार, राष्ट्रीय पार्टी की सरकार खुलेआम अपराधियों का पक्ष लेती हुई नज़र आई।'' उन्होंने दावा किया, ''यह बहुत चिंता की बात है कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं क्योंकि उनके साथ वहां की सरकार खड़ी है।'' खेड़ा ने कहा, ''जिस तरह से उत्तर प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं उसमें केंद्र सरकार को एक सख्त संदेश देना होगा। प्रदेश की सरकार को बर्खास्त करना चाहिए ताकि अपराधियों को सख्त संदेश जाए।

अरविंद केजरीवाल ने सौर ऊर्जा अपनाने पर दिया जोर, कहा- दिल्ली में पिछले चार वर्षों में बढ़ा उत्पादन

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में सौर ऊर्जा का उत्पादन चार वर्षों में सात मेगावाट से बढ़कर 177 मेगावाट हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने एक मिशन के तौर पर इसे अपनाने पर जोर दिया। केजरीवाल ने कहा, ''पिछले चार वर्षों में, दिल्ली में सौर ऊर्जा का उत्पादन करीब सात मेगावाट से बढ़कर 177 मेगावाट हो गया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि दिल्ली में इसके लिए काफी संभावना है।

जरूरत इस बात की है कि सौर ऊर्जा को एक मिशन के रूप में अपनाया जाए।'' वह मंडी हाउस क्षेत्र में लेडी इरविन कॉलेज में 218 किलोवाट क्षमता के एक सौर संयंत्र का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सौर ऊर्जा के विकास की गति धीमी रही है क्योंकि लोगों को इसके बारे में बहुत जानकारी नहीं है। लेकिन दिल्ली सरकार ने रिहायशी इलाकों और खेती में इसके प्रचार को लेकर दो नीतियां तैयार की हैं। केजरीवाल ने कहा कि सौर ऊर्जा से किसानों की प्रति एकड़ आय 3-4 गुना बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

अनुच्छेद 370: फारूक अब्दुल्ला के बयान से कर्ण सिंह हैरान, बोले- जनता में वास्तविकता से दूर उम्मीदें होंगी पैदा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने 'जम्मू-कश्मीर में चीन की मदद से अनुच्छेद 370 को बहाल किये जाने' संबंधी पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के कथित बयान को 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से केंद्रशासित प्रदेश की जनता में वास्तविकता से दूर उम्मीदें पैदा होंगी।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व 'सद्र-ए-रियासत' सिंह ने एक बयान में कहा, ''मेरे पुराने मित्र फारूक अब्दुल्ला ने यह हैरान करने वाला बयान दिया है कि चीन की मदद से अनुच्छेद 370 बहाल होगा। मैं उनके एक साल तक हिरासत में रहने समेत कई हालिया घटनाक्रमों से उनके गुस्से और हताशा को समझ सकता हूं। बहरहाल, उनका बयान पूरी तरह अस्वीकार्य है।'' उन्होंने यह भी कहा कि इससे जम्मू-कश्मीर के लोगों में वास्तविकता से दूर उम्मीदें पैदा होंगी। कर्ण सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की रिहाई का स्वागत करते हुए कहा कि इससे जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के मजबूत होने की उम्मीद है।''

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक अब्दुल्ला ने रविवार को कथित रूप से कहा था, ''जहां तक चीन का सवाल है, मैंने तो कभी चीन के राष्ट्रपति को यहां बुलाया नहीं। हमारे वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) ने उसे गुजरात में बुलाया, उसे झूले पर भी बिठाया, उसे चेन्नई भी ले गए, वहां भी उसे खूब खिलाया, मगर उन्हें वह पसंद नहीं आया और उन्होंने अनुच्छेद 370 को लेकर कहा कि हमें यह कबूल नहीं है। और जब तक आप अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं करेंगे, हम रुकने वाले नहीं हैं। अल्लाह करे कि उनके इस जोर से हमारे लोगों को मदद मिले और अनुच्छेद 370 और 35ए बहाल हो।

कमलनाथ और दिग्विजय पर कैलाश विजयवर्गीय का तंज, बताया चुन्नू-मून्नू

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

इंदौर (मध्यप्रदेश)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को चुन्नू-मुन्नू बताते हुए भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस की पिछली सरकार के राज में दोनों वरिष्ठ नेताओं ने सूबे के मतदाताओं से विश्वासघात किया। विजयवर्गीय ने इंदौर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर सांवेर में चुनावी सभा में कहा, कमलनाथ और दिग्विजय, ये दोनों चुन्नू-मुन्नू हैं। (2018 में) जब राज्य में विधानसभा चुनाव हो रहे थे, तो इनकी सभाओं में कहीं 50, तो कहीं 100 लोगों की भीड़ होती थी। उन्होंने कहा, दोनों कांग्रेस नेताओं ने एक पूर्व राजघराने में पैदा हुए, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे खानदानी आदमी को अपना वचन पत्र (पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान जारी कांग्रेस का घोषणा पत्र) थमा दिया। सिंधिया चुन्नू-मुन्नू की बातों में आ गए।

विजयवर्गीय ने कहा, चुन्नू-मुन्नू ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान सिंधिया से पूरे प्रदेश में कहलवाया कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर महज 10 दिन के भीतर किसानों का कर्ज माफ होगा और बेरोजगार नौजवानों को सरकारी भत्ता मिलेगा। लेकिन कांग्रेस की सरकार बनने के बाद चुनावी वादे नहीं निभाए गए। उन्होंने कहा, चुन्नू-मुन्नू में से एक व्यक्ति मुख्यमंत्री बन गया, तो दूसरा व्यक्ति तबादला उद्योग खोलकर अपने बंगले में बैठ गया। लेकिन बेचारे सिंधिया गली-कूचों में घूम रहे थे और लोग उनसे पूछ रहे थे कि कांग्रेस के चुनावी वादों का क्या हुआ? भाजपा महासचिव ने कहा, असल में चुन्नू-मुन्नू गद्दार हैं। लेकिन अब वे अन्य लोगों को गद्दार बता रहे हैं। विजयवर्गीय, सूबे के जल संसाधन मंत्री और सांवेर क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार तुलसीराम सिलावट के पक्ष में आयोजित सभा संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस छोड़कर सात महीने पहले भाजपा में आने वाले सिलावट ने अपने इस परंपरागत क्षेत्र से एक बार फिर बुधवार को नामांकन दाखिल किया जहां तीन नवम्बर को उपचुनाव होना है। गौरतलब है कि सिंधिया की सरपरस्ती में सिलावट समेत कांग्रेस के 22 बागी विधायकों के विधानसभा से त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल होने के कारण तत्कालीन कमलनाथ सरकार का 20 मार्च को पतन हो गया था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा 23 मार्च को सूबे की सत्ता में लौट आई थी। विजयवर्गीय ने इस सियासी घटनाक्रम की ओर इशारा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में चल रही एक्सप्रेस ट्रेन में सिंधिया अपने साथियों के साथ जैसे ही बैठे, चुन्नू-मुन्नू की दुकान बंद हो गई और वे सड़क पर आ गए। भाजपा महासचिव ने प्रदेश किसान कांग्रेस के नेता दिनेश गुर्जर द्वारा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ''नंगे-भूखे घर का बताए जाने पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, हम तुम्हारे जैसे बेईमान नहीं हैं कि वोट लेकर बैठ जाएं और बाद में किसानों व नौजवानों की सुध तक नहीं लें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)